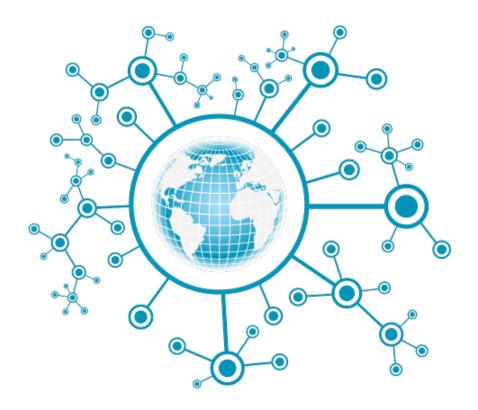


## PADUA UNIVERSITY

## ENGINEERING COURSE

# Master of Computer Engineering

# COMPUTER NETWORKS



Raffaele Di Nardo Di Maio

# Contents

| 1 | OSI  | model  | 1 |
|---|------|--|---|
|   | 1.1  | Logical communication  | 1 |
|   | 1.2  | Control plane  | 2 |
|   | 1.3  | Data plane   | 3 |
|   | 1.4  | Onion model  | 4 |
|   | 1.5  |  | 4 |
|   | 1.6  |  | 5 |
|   |      | 1.6.1 Client-Server  | 5 |
|   |      |  | 5 |
|   |      |  | 5 |
|   | 1.7  |  | 6 |
| 2 | C p  | rogramming   | 7 |
| _ | 2.1  |  | 7 |
|   | 2.2  |  | 8 |
|   | 2.3  | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·  | 9 |
|   |      | Soldocate of C program   |   |
| 3 | Net  | work in C  | 1 |
|   | 3.1  | Application layer  | 1 |
|   | 3.2  | socket()   | 1 |
|   | 3.3  | TCP connection   | 2 |
|   |      | 3.3.1 Client   | 3 |
|   |      | 3.3.1.1 connect()  | 3 |
|   |      | 3.3.1.2 write()  | 4 |
|   |      | $3.3.1.3  \operatorname{read}()$   | 5 |
|   |      | 3.3.2 Server   | 6 |
|   |      | $3.3.2.1  \text{bind}() \dots \dots$ | 6 |
|   |      | 3.3.2.2 listen()   | 6 |
|   |      | 3.3.2.3 accept()   | 7 |
|   | 3.4  | UDP connection   | 9 |
|   | 3.5  | recvfrom   | 0 |
|   | 3.6  | sendto   | 0 |
|   | 3.7  | Lower level connection   | 1 |
|   |      | 3.7.1 Structure of Layer 2 $\dots \dots $  | 1 |
| 4 | Gat  | eway 2   | 3 |
|   |      | Proxy  |   |
|   |      | Router   |   |
| 5 | Laye | er 2   | o |
| U | •    | Ethernet   | _ |
|   | 0.1  | 5.1.1 Ethernet frame   |   |
|   |      | 5.1.1 Ethernet frame   |   |
|   |      | 5.1.2 Trub and switches  |   |
|   |      | 5.1.4 Address Resolution Protocol (ARP)  |   |
|   |      | $0.1. \pm 1.0010001000100101110110001111111111$  | J |

iv CONTENTS

|   |                        | 5.1.4.1 ARP message format                   | 37  |
|---|------------------------|--|-----|
| 6 | Inte                   | ernet Protocol                               | 39  |
|   | 6.1                    | Terminology                                  | 41  |
|   | 6.2                    | IP address                                   | 41  |
|   | 6.3                    | Fragmentation                                | 43  |
|   | 6.4                    | Internet Header Format                       |     |
| 7 | ICM                    | MD.  | 49  |
| 7 |                        |  |     |
|   | 7.1                    | Main rules of ICMP error messages            |     |
|   | 7.2                    | Types of ICMP messages                       |     |
|   |                        | 7.2.1 Echo                                   |     |
|   |                        | 7.2.2 Destination unreachable                |     |
|   |                        | 7.2.3 Time exceeded                          |     |
|   |                        | 7.2.4 Parameter problem                      |     |
|   |                        | 7.2.5 Redirect                               |     |
|   |                        | 7.2.6 Timestamp request e reply              |     |
|   |                        | 7.2.7 Address mask request and reply         | 54  |
| 8 | Trai                   | nsport layer                                 | 55  |
| Ŭ | 8.1                    | UDP (User Data protocol)                     |     |
|   | 0.1                    | 8.1.1 UDP packet format                      |     |
|   | 8.2                    | TCP (Transmission Control protocol)          |     |
|   | 0.2                    | - /  |     |
|   |                        | 1  |     |
|   |                        | 8.2.2 Connection state diagram               |     |
|   |                        | 8.2.3 Management packet loss                 |     |
|   |                        | 8.2.4 Segmentation of the stream             |     |
|   |                        | 8.2.5 Automatic Repeat-reQuest (ARQ)         |     |
|   |                        | 8.2.6 TCP window                             | 63  |
| 9 | $\mathbf{HT}^{\prime}$ | TP protocol                                  | 67  |
|   | 9.1                    | Terminology                                  | 67  |
|   | 9.2                    | Basic rules                                  | 68  |
|   | 9.3                    | Messages                                     |     |
|   |                        | 9.3.1 Different versions of HTTP protocol    | 69  |
|   |                        | 9.3.2 Headers                                | 69  |
|   |                        | 9.3.3 Request-Line                           |     |
|   |                        | 9.3.4 Request-URI                            |     |
|   |                        | 9.3.5 Request Header                         |     |
|   |                        | 9.3.6 Status line                            |     |
|   | 0.4                    |  | 70  |
|   | 9.4                    | HTTP 1.0                                     | 70  |
|   |                        | 9.4.1 Other headers of HTTP/1.0 and HTTP/1.1 |     |
|   |                        | 9.4.2 Caching                                |     |
|   |                        | 9.4.3 Authorization                          | 78  |
|   |                        | 9.4.3.1 base $64$                            | 79  |
|   |                        | 9.4.3.2 Auth-schemes                         | 80  |
|   | 9.5                    | HTTP 1.1                                     | 80  |
|   |                        | 9.5.1 Caching based on HASH                  | 81  |
|   |                        | 9.5.2 URI                                    | 82  |
|   |                        | 9.5.3 HTTP URL                               |     |
|   | 9.6                    | Dynamic pages                                |     |
|   | 9.7                    | Proxy  |     |
|   |                        |  | ~ - |

| V |
|---|
|   |

| 10 | Res   | olution o | of names                 |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     | 87      |
|----|-------|-----------|--------------------------|----------|--------|------|-----|------|-----|------|-------|---|-----|-------|-----|---|-------|---|-----|---------|
|    | 10.1  | Network   | Informatio               | n Center | (NIC   | ") . |     | <br> |     | <br> | <br>  |   |     |       |     |   | <br>  |   |     | <br>87  |
|    | 10.2  | Domain    | Name Syste               | em (DNS  | )      |      |     | <br> |     | <br> | <br>  |   |     |       |     |   | <br>  |   |     | <br>87  |
|    |       | 10.2.1 G  | loals                    |          |        |      |     | <br> |     | <br> | <br>  |   |     |       |     |   | <br>  |   |     | <br>88  |
|    |       | 10.2.2 H  | lierarchy sti            | ructure. |        |      |     | <br> |     | <br> | <br>  |   |     |       |     |   |       |   |     | <br>88  |
| A  | She   | 11        |                          |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     | 93      |
|    | A.1   | Comman    | ds                       |          |        |      |     | <br> |     | <br> | <br>  |   |     |       |     |   | <br>  |   |     | <br>93  |
|    |       |           | les                      |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
| В  | vim   |           |                          |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     | 95      |
| _  | B.1   |           |                          |          |        |      |     | <br> |     | <br> | <br>  |   |     |       |     |   |       |   |     | <br>    |
|    | B.2   |           | S                        |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    | B.3   |           | files                    |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
| C  | Cni   | Project   | Debugge                  | r (CDB   | 2)     |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     | 101     |
|    |       |           | $_{ m mmands}$ .         |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    | 0.1   |           | reakpoints               |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    |       |           | onditional               |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    |       |           | xamine me                | _        |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    |       |           | utomate ta               |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    |       |           | ebugging w               |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    |       |           | ebugging w<br>ebugging w |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     |         |
|    |       | U.1.0 L   | enngging w               | Ton mult | ipie t | ше   | aus | <br> | • • | <br> | <br>• | • | • • | <br>• | • • | • | <br>• | • | • • | <br>109 |
| Re | efere | nces      |                          |          |        |      |     |      |     |      |       |   |     |       |     |   |       |   |     | 103     |

vi CONTENTS

# Chapter 1

# OSI model

The Open System Interconnection (OSI) is the basic standardization of concepts related to networks (Figure 1.1). It was made by Internet Standard Organization (ISO). Each computer, connected as a node in the network, needs to have all OSI functionalities.

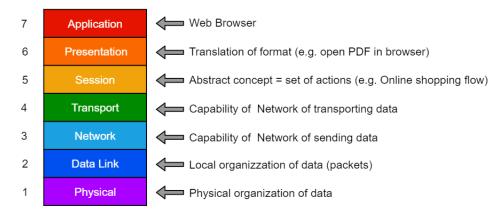
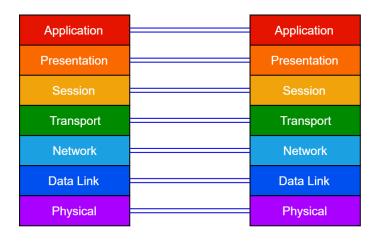


Figure 1.1: OSI model.

## 1.1 Logical communication



Layer 1 is the only one in which the real connection is also the logic connection. Each layer is a module (black-box) that implements functionality (see Section 1.4).

## 1.2 Control plane

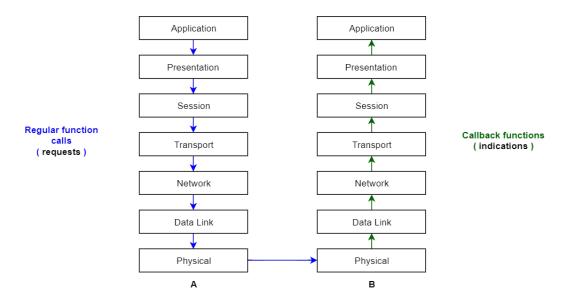


Figure 1.2: Request from A to B.

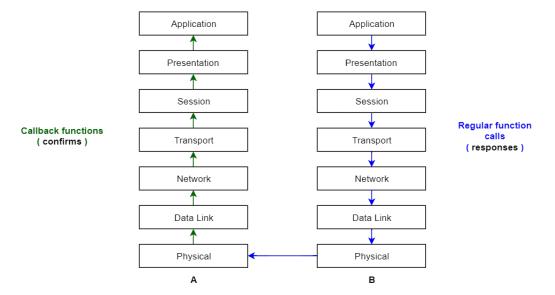


Figure 1.3: Response from B to A.

The control plane meaning comes from two words: "control" that is related to function activation and "plane", related to the geometry, because it's stacked in a sheet. In OSI model, the *direct connection* exists only between:

- Upper and lower layers of the same device
- Physical layers of different devices

From Figure 1.2 and Figure 1.3 we have seen two main types of function calls:

#### • Regular function calls

- library method invocations

1.3. DATA PLANE

- system calls
- HW enabled signals

#### • Callback functions

the module of the upper layer is waken up by module of the lower layer.

- OS signal handler it asks library to call a function when something happens (EVENT-BASED PROGRAMMING)
- Interrupt handlers
- Blocking function calls they start call but doesn't return if something doesn't happen

#### 1.3 Data plane

Data plane defines which data are shared among the network. Calling a function, we need to pass parameters to them (*Data buffer*).

The PDU (Protocol Data Unit) of layer i+1 becomes the SDU (Service Data Unit), or payload, of lower Layer i. Merging this payload, with the header of layer i, we obtain the PDU of layer i (Figure 1.4). This procedure is called **encpsulation** (Figure 1.5).



Figure 1.4: PDU and SDU structure.

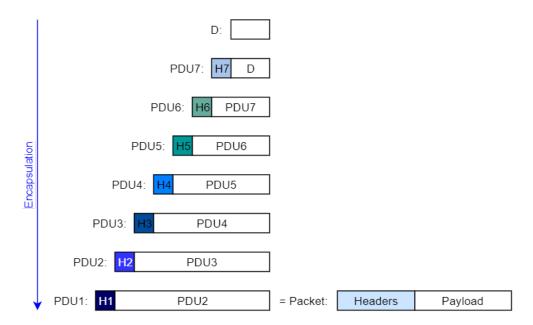


Figure 1.5: Encapsulation.

#### 1.4 Onion model

The following image shows the layered structure of OS and computers and where OSI functionalities locations are highlighted.

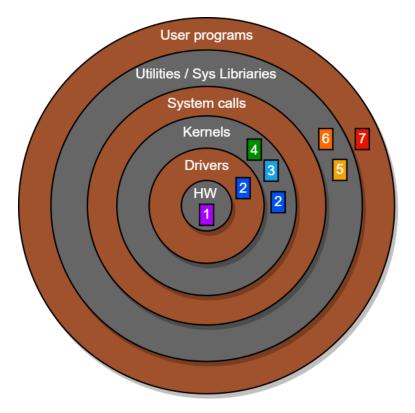
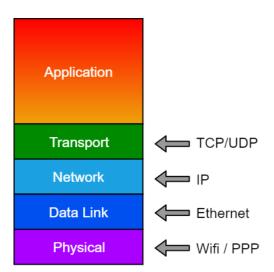


Figure 1.6: Onion model.

# 1.5 TCP/IP Architecture

The TCP/IP architecture is a reorganization of the previously mentioned OSI model (Figure 1.1) and it composes the main structure of the Internet Protocol.



#### 1.6 Application paradigms

#### 1.6.1 Client-Server

It's based on the presence of two main entities:

- Client = active entity it generates the request
- **Server** = passive entity it's waiting for client requests and when it receives it, it only replies to it.

The main characteristic of this paradigm is the "immediate" response time, that is the time between the arrival of the request by the client and the reply with the generate response.

To send the request, the client needs to know:

- server name
- how to reach it
- what data is required on server (trackable)

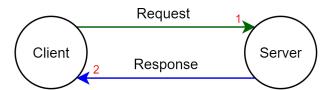


Figure 1.7: Client-Server architecture.

#### 1.6.2 Peer-to-Peer (P2P)

Its diffusion started at first years of XXI century. It's used to share media. Each node in the network can be client (making requests) or server (replying to requests).

In Figure 1.8,  $USER_1$  doesn't know which is the user in the network that shared the content. Hence, he sends the request for the content to a node in the network and this one can reply with two possible responses:

- C= content (media)
- R= reference to another node (that has the required content or knows which node has the content)

Each node can also forward the request to some other node and so it becomes the intermediary of the communication.

#### 1.6.3 Publish/Subscribe/Notify

The subscriber subscribes to the dispatcher (notifier) a set of messages that wants to be notified. The notifier usually filters the messages that it receives and, when there are new messages that respect the subscription of the user, notify them to the user.

The messages comes asynchronously to the dispatcher. There is no *Polling* made periodically by the user (there isn't Busy Waiting). There are some applications, like Whatsapp, that work in this way but in the past, this app made by Facebook doesn't really work asynchronously. In fact there was a polling policy.

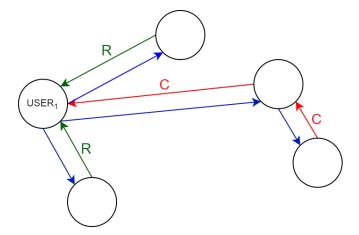
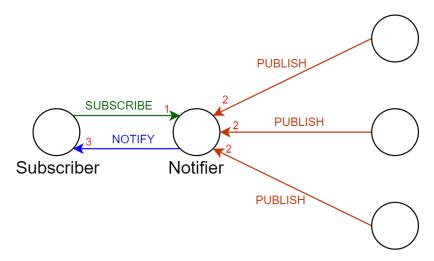


Figure 1.8: P2P architecture.



Figure~1.9:~Publish/Subscribe/Notify~architecture.

## 1.7 Types of packets

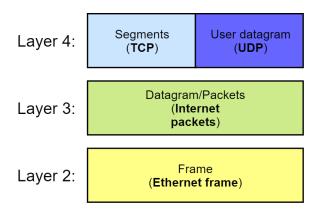


Figure 1.10: Standard names of packets.

TCP connection works at Layer 4 but at upper layers, it seems to work as a stream. In TCP connection, it is usually specified the port number, that is the upper layer protocol specification (Layer 5).

# Chapter 2

# C programming

The C is the most powerful language and also can be considered as the language nearest to Assembly language. Its power is the speed of execution and the easy interpretation of the memory.

C can be considered very important in Computer Networks because it doesn't hide the use of system calls. Other languages made the same thing, but hiding all the needs and evolution of Computer Network systems.

#### 2.1 Organization of data

Data are stored in the memory in two possible ways, related to the order of bytes that compose it. There are two main ways, called Big Endian and Little Endian.

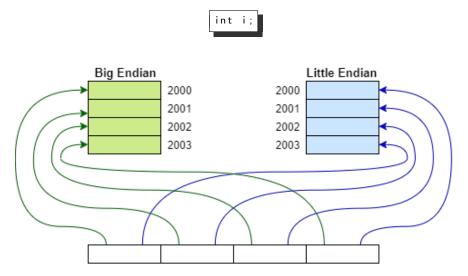


Figure 2.1: Little Endian and Big Endian.

The order of bytes in packets, sent through the network, is Big Endian.

The size of **int**, **float**, **char**, ... types depends on the architecture used. The max size of possible types depends on the architecture (E.g. in 64bits architecture, in one istruction, 8 bytes can be written and read in parallel).

| signed  | unsigned |
|---------|----------|
| int8_t  | uint8_t  |
| int16_t | uint16_t |
| int32_t | uint32_t |
| int64_t | uint64_t |

Table 2.1:  $\langle stdint.h \rangle$ 

### 2.2 Struct organization of memory

The size of a structure depends on the order of fields and the architecture. This is caused by alignment that depends on the number of memory banks, number of bytes read in parallel. For example the size is 4 bytes for 32 bits architecture, composed by 4 banks (Figure 2.2). The Network Packet Representation is made by a stream of 4 Bytes packets as we're using 32 bits architecture.

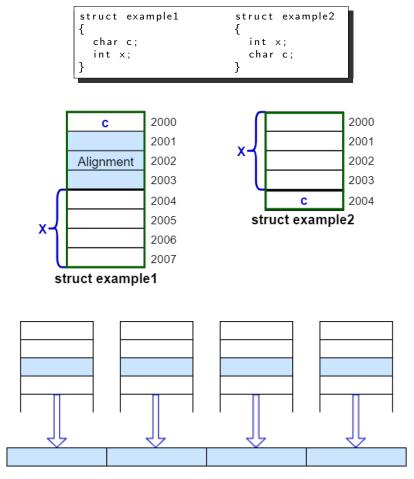


Figure 2.2: Parallel reading in one istruction in 32 bits architecture.

## 2.3 Structure of C program

The program stores the variable in different section (Figure 2.3):

#### • Static area

where global variables and static library are stored, it's initialized immediately at the creation of the program. Inside this area, a variable doesn't need to be initialized by the programmer because it's done automatically at the creation of the program with all zeroes.

#### Stack

allocation of variables, return and parameters of functions

#### • Heap

dinamic allocation

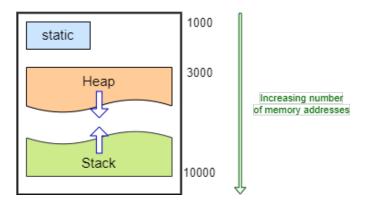


Figure 2.3: Structure of the program.

# Chapter 3

# Network in C

#### 3.1 Application layer

We need IP protocol to use Internet. In this protocol, level 5 and 6 are hidden in Application Layer. In this case, Application Layer needs to interact with Transport Layer, that is implemented in OS Kernel (Figure 3.1). Hence Application and Transport can talk each other with System Calls.

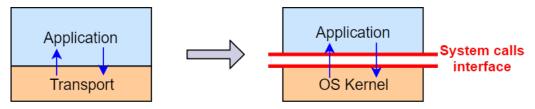


Figure 3.1: System calls interface.

## 3.2 socket()

Entry-point (system call) that allow us to use the network services. It also allows application layer to access to level 4 of IP protocol.

```
#include <sys/types.h>
#include <sys/socket.h>
int socket(int domain, int type, int protocol);\\
```

 ${\bf RETURN~VALUE} \quad \textit{File Descriptor (FD) of the socket}$ 

-1 if some error occurs and error is set appropriately (You can check value of error including <error.h>).

#### domain = Communication domain

protocol family which will be used for communication.

AF\_INET: IPv4 Internet Protocol
AF\_INET6: IPv6 Internet Protocol
AF\_PACKET: Low level packet interface

#### type = Communication semantics (Figure 3.2)

 ${\bf SOCK\_STREAM:} \quad {\bf Provides \ sequenced, \ reliable, \ two-way, \ connection-based}$ 

bytes stream. An OUT-OF-BAND data mechanism may

be supported.

SOCK DGRAM Supports datagrams (connectionless, unreliable messages

of a fixed maximum length).

# protocol = Particular protocol to be used within the socket Normally there is only a protocol for each socket type and protocol family (protocol=0), otherwise ID of the protocol you want to use

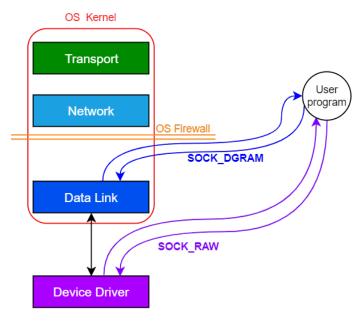


Figure 3.2: UNIX management.

#### 3.3 TCP connection

In TCP connection, defined by type **SOCK\_STREAM** as written in the Section 3.2, there is a client that connects to a server. It uses three primitives (related to File System primitives for management of files on disk) that do these logic actions:

- 1. start (open bytes stream)
- 2. add/remove bytes from stream
- 3. finish (clos bytes stream)

3.3. TCP CONNECTION 13

TCP is used transfering big files on the network and for example with HTTP, that supports parallel download and upload (FULL-DUPLEX). The length of the stream is defined only at closure of the stream.

#### 3.3.1 Client

#### 3.3.1.1 connect()

The client calls **connect()** function, after **socket()** function of Section 3.2. This function is a system call that client can use to define what is the remote terminal to which he wants to connect.

```
#include <sys/types.h>
#include <sys/socket.h>
int connect(int sockfd, const struct sockaddr *addr, socklen_t addrlen);
```

#### **RETURN VALUE** $\theta$ if connection succeds

-1 if some error occurs and errno is set appropriately

**sockfd** = Socket File Descriptor returned by socket().

 $\mathbf{addr} = \quad \textit{Reference to struct sockaddr}$ 

sockaddr is a general structure that defines the concept of address.

In practice it's a union of all the possible specific structures of each protocol.

This approach is used to leave the function written in a generic way.

addrlen = Length of specific data structure used for sockaddr.

In the following there is the description of struct **sockaddr\_in**, that is the specific sockaddr structure implemented for family of protocls **AF INET**:

The two addresses, needed to define a connection, are (see Figure 3.3):

- IP address ( $sin_addr$  in  $sockaddr\_in$  struct) identifies a virtual interface in the network. It can be considered the entry-point for data arriving to the computer. It's unique in the world.
- Port number  $(sin_port \text{ in } sockaddr\_in \text{ } struct)$  identifies to which application data are going to be sent. The port so must be open for that stream of data and it can be considered a service identifier. There are well known port numbers, related to standard services and others that are free to be used by the programmer for its applications (see Section A.2 to find which file contains well known port numbers). It's unique in the system.

As mentioned in Section 2.1, network data are organized as Big Endian, so in this case we need to insert the IP address according to this protocol. It can be done creating an array of char and analysing it as an int pointer\* or with the follow function, that converts a string (E.g. "127.0.0.1") in the corresponding address:

```
#include <sys/socket.h>
#include <netinet/in.h>
#include <arpa/inet.h>

int inet_aton(const char *cp, struct in_addr *inp);
```

If you want to obtain the IP address from the name of the host, using DNS, you need to use the following function that returns in h addr list the set of ip addresses related to that hostname, as arrays of characters:

```
#include <netdb.h>
extern int h errno;
struct hostent *gethostbyname(const char *name);
struct hostent
                               /* official name of host */
    char
         *h name;
    char **h_aliases;
                               /* alias list */
           h addrtype;
                                 host address type
                               /* length of address */
           h length;
    int
                                 list of addresses
    char **h addr list;
```

The port number is written according to Big Endian architecture, through the next function:

```
#include <arpa/inet.h>
uint16_t htons(uint16_t hostshort);
```

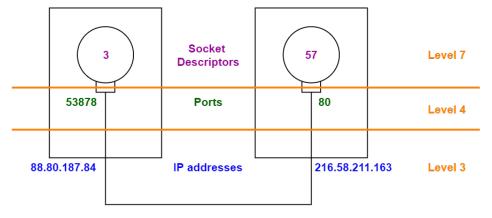


Figure 3.3: After successful connection.

#### 3.3.1.2 write()

Application protocol uses a readable string, to excange readable information (as in HTTP). This tecnique is called simple protocol and commands, sent by the protocol, are standardized and readable strings.

```
#include <unistd.h>
ssize_t write(int fd, const void *buf, size_t count);
```

The write buffer is usually a string but we don't consider the null value ( $\0$  character), that determine the end of the string, in the evaluation of count (strlen(buf)-1). This convention is used because  $\0$  can be part of characters stream.

3.3. TCP CONNECTION 15

#### **RETURN VALUE** Number of bytes written on success

-1 if some error occurs and errno is set appropriately

fd = Socket File Descriptor returned by socket().

**buf** = Buffer of characters to write

**count** = Max number of bytes to write in the file (stream).

#### 3.3.1.3 read()

The client uses this blocking function to wait and obtain response from the remote server. Not all the request are completed immediat from the server, for the meaning of stream type of protocol. Infact in this protocol, there is a flow for which the complete sequence is defined only at the closure of it3.2.

read() is consuming bytes from the stream asking to level 4 a portion of them, because it cannot access directly to bytes in Kernel buffer. Lower layer controls the stream of information that comes from the same layer of remove system.

```
#include <unistd.h>
ssize_t read(int fd, void *buf, size_t count);
```

#### RETURN VALUE Number of bytes read on success

0 if EOF is reached (end of the stream)

-1 if some error occurs and errno is set appropriately

**fd** = Socket File Descriptor returned by socket().

**buf** = Buffer of characters in which it reads and stores info

**count** = Max number of bytes to read from the file (stream).

So if **read()** doesn't return, this means that the stream isn't ended but the system buffer is empty. If **read=0**, the function met EOF and the local system buffer is now empty. This helps client to understand that server ended before the connection.

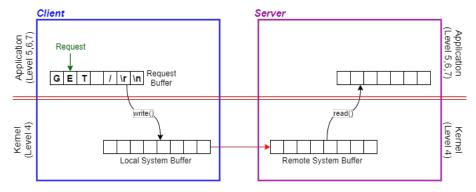


Figure 3.4: Request by the client.

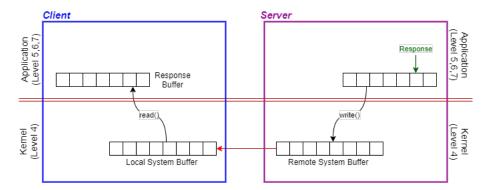


Figure 3.5: Response from the server.

#### 3.3.2 Server

A server is a daemon, an application that works in background forever. The end of this process can be made only through the use of the Operating System.

The server usually uses parallel programming, to guarantee the management of more than one request simultaneously. Hence each process is composed by an infinite loop, as mentioned before.

#### 3.3.2.1 bind()

```
#include <sys/types.h>
#include <sys/socket.h>
int bind(int sockfd, const struct sockaddr *addr, socklen_t addrlen);
```

#### **RETURN VALUE** $\theta$ on success

-1 if some error occurs and error is set appropriately (You can check value of error including <error.h>).

**sockfd** = Socket File Descriptor returned by socket().

addr = Reference to struct sockaddr sockaddr is a general structure that defines the concept of address.

addrlen = Length of specific data structure used for sockaddr.

#### 3.3.2.2 listen()

```
#include <sys/types.h>
#include <sys/socket.h>
int listen(int sockfd, int backlog);
```

The listening socket, identified by **sockfd**, is unique for each association of a port number and a IP address of the server (Figure 3.7).

3.3. TCP CONNECTION 17

#### **RETURN VALUE** $\theta$ on success

-1 if some error occurs and error is set appropriately (You can check value of error including <error.h>).

**sockfd** = Socket File Descriptor returned by socket().

backlog = Maximum length of queue of pending connections
 The number of pending connections for sockfd can grow up to this value.

The normal distribution of new requests by clients is usually Poisson, organized as in Figure 3.6.

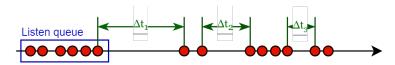


Figure 3.6: Poisson distribution of connections by clients.

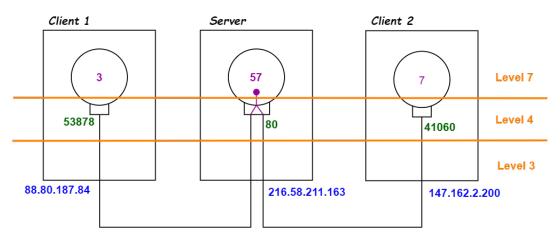


Figure 3.7: listen() function.

#### 3.3.2.3 accept()

```
#include <sys/types.h>
#include <sys/socket.h>
int accept(int sockfd, struct sockaddr *addr, socklen_t *addrlen);
```

To manage many clients requests, we use the **accept()** function to extablish the connection one-to-one with each client, creating a uniquely socket with each client.

This function extracts the first connection request on the queue of pending connections for the listening socket sockfd creates a new connected socket, and returns a new file descriptor referring to that socket. The accept() is blocking for the server when the queue of pending requests is empty (Figure 3.9).

At lower layers of ISO/OSI, the port number and the IP Address are the same identifiers, to which listening socket is associated (Figure 3.8).

The server needs to do a fork after doing the accept(), inside the infinite loop. Hence a new process is created

RETURN VALUE Accepted Socket Descriptor

it will be used by server, to manage requests and responses from

that specific client.

-1 if some error occurs and errno is set appropriately

(You can check value of errno including <errno.h>).

 $\mathbf{sockfd} = \mathit{Listen Socket File Descriptor}$ 

 $\mathbf{addr} = Reference \ to \ struct \ sockaddr$ 

It's going to be filled by the accept() function.

 $\mathbf{addrlen} = \quad \mathit{Length} \ \mathit{of} \ \mathit{the} \ \mathit{struct} \ \mathit{of} \ \mathit{addr}.$ 

It's going to be filled by accept () function.

(accept() is used in different cases so it can return different

type of specific implementation of struct addr.)

to manage a new request and there is a pair client-worker for each client. So the server can be seen as it would be composed by many servers (Figure 3.10).

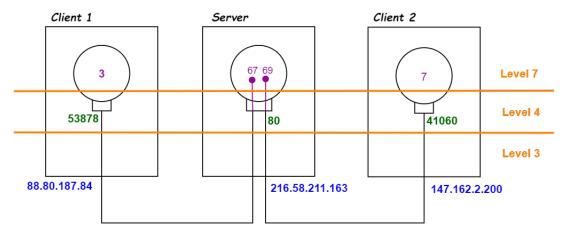


Figure 3.8: accept() function.

3.4. UDP CONNECTION 19

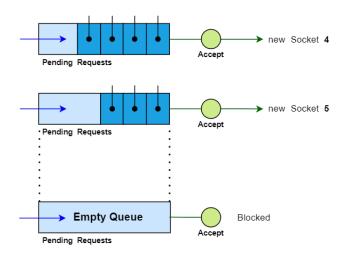


Figure 3.9: Management of pending requests with accept().

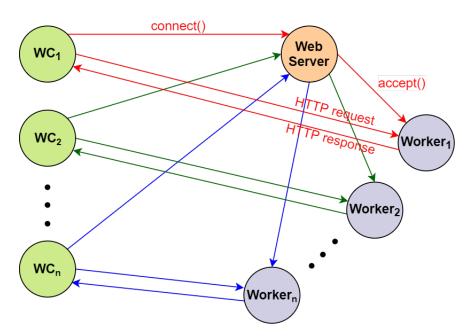


Figure 3.10: connect() and accept() functions in parallel server implementation.

#### 3.4 UDP connection

UDP connection is defined by type **SOCK\_DGRAM** as specified in Section 3.2. It's used for application in which we use small packets and we want immediate feedback directly from application. It isn't reliable because it doesn't need confirmation in transport layer.

It's used in Twitter application and in video streaming. SOCK\_DGRAM is used to read and write directly packets from/to Layer-2, with its header. Layer-2 header is added and removed by the Operating System. As communication domain, as TCP connection, we can use either AF\_INET for IPv4 or AF\_INET6 for IPv6. The struct sockaddr, used in this type of connection, is struct sockaddr\_in like in TCP because of AF\_INET domain.

#### 3.5 recyfrom

This function is used to read the whole packet or frame, and only if the size of the buffer, specified as parameter, is lower than the real size of the packet, the function will split the packet and read at first the maximum size available.

Through this function we are going to read the message packet, with format related to the packet format, depending on which layer we are making the call.

```
RETURN VALUE
                       Number of bytes received on success
                        -1 if some error occurs and errno is set appropriately
                        (You can check value of errno including <errno.h>).
           sockfd =
                        Socket\ File\ Descriptor
              \mathbf{buf} =
                        \textit{Buffer in which the function will put the message}
               len =
                        Length of the buffer buf
                        important to fullfill the buffer in input (usually buf has size
                        equal to the MTU of the network).
             flags =
                        Flags
                        added to change the behaviour of the protocol used.
        {f src\_addr} =
                        Reference\ to\ struct\ sockaddr
                        It's going to be filled by the recvfrom() function.
         addrlen =
                        Length of the struct of addr.
                        It's going to be filled by accept() function.
```

#### 3.6 sendto

```
RETURN VALUE
                        Number of characters sent on success
                        -1 if some error occurs and errno is set appropriately
                        (You can check value of errno including <errno.h>).
           sockfd =
                        Socket File Descriptor
              buf =
                        Buffer in which the function will get the message
              len =
                        Length of the buffer buf
                        important to read the buffer in input (usually buf has size
                        equal to the MTU of the network)
                        Flags
             flags =
                        added to change the behaviour of the protocol used.
      dest \quad addr =
                        Reference to struct sockaddr
                        It's going to be filled by the recvfrom() function.
          addrlen =
                        Length of the struct of addr.
```

#### 3.7 Lower level connection

Creating a socket, we can also access to lower packet in ISO/OSI model, by selecting other types of communication semantics (Figure 3.2). SOCK\_RAW is used to read and write directly packets from/to device driver (Layer 1), before adding Layer-2 header. The header needs to be add by us, in writing phase. Using this communication semantics, we need to use the communication domain AF\_PACKET. The related socket is duplicated and the user program can access packets, even if it's not working at kernel level. This domain is also used to detect messages in sniffer applications (e.g. Wireshark).

```
int packet_socket = socket(AF_PACKET, SOCK_RAW, htons(ETH_P_ALL));
```

The ETH\_P\_ALL guarantees to receive all protocols packets. To obtain the permission from Linux systems, we need to do the following shell command before executing the program. Otherwise the socket won't be created because the operation is not permitted.

```
setcap cap_net_raw,cap_net_admin=eip ./my_exeutable
```

#### 3.7.1 Structure of Layer 2

```
struct sockaddr II {
                              /* Always AF PACKET */
unsigned short sll family;
unsigned short sll_protocol;
                             /* Physical-Tayer protocol */
int
               sll_ifindex;
                              /* Interface number */
                              /* ARP hardware type */
unsigned short
               sll
                   hatype;
unsigned char
               sll_pkttype;
                              /* Packet type */
unsigned char
               sll halen;
                              /* Length of address */
unsigned char
               sll addr[8];
                                Physical—layer address
```

The socket will be created through the following function call (packet(7)):

If we want to talk directly to device driver, we need to specify only two fields:

• sll\_family =  $AF_PACKET$  the only field common to every struct sockaddr.

• sll\_ifindex = index of ethernet interface to obtain it, we can call the following function:

```
#include <net/if.h>
unsigned int if_nametoindex(const char *ifname);
```

 ${\bf RETURN~VALUE}~~Index~number~of~the~network~interface$ 

-1 if some error occurs and error is set appropriately (You can check value of error including <error.h>).

ifname = Network interface name

Given in input the name of the network interface (e.g. "eth0"), the function returns its related number.

# Chapter 4

# Gateway

A gateway is a device that forwards messages from another device, the client, to a second device, the server or another gateway. In the following figures, there are two examples of gateways: Layer-3 gateways (routers in Section 4.2) and Layer-7 gateways (proxy).

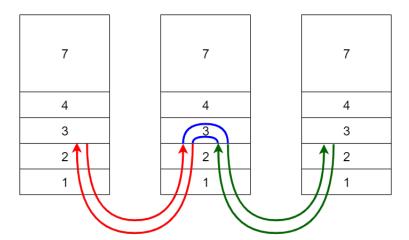


Figure 4.1: Router (Layer-3 gateway).

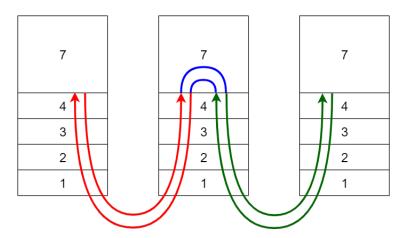


Figure 4.2: Proxy (Layer-7 gateway).

#### 4.1 Proxy

A Layer-7 gateway is also called proxy. It works as an intermediary between two identical protocols (Figure 4.3). Instead of Layer-3 gateways, proxy can also see the full stream of data, analyze HTTP headers and implement new functions. The main possible functions are:

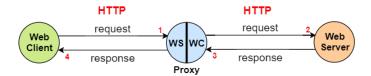


Figure 4.3: Example of proxy use.

#### • Caching

It's used to reduce traffic directed to the server. The proxy does the most expensive job, managing all the requests of the same page of the server.

After the request of the page for the first time, the proxy asks the page to the server and then stores in its system, before replying. Hence the next clients requests of the same page will be manage only by proxy because the page was already stored in its system.

In this case the server needs to manage only a request by proxy and provide a response to proxy.

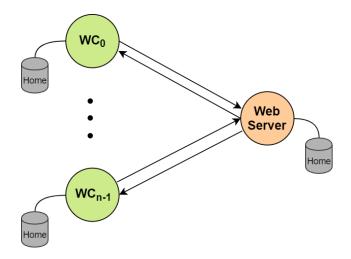


Figure 4.4: Example of caching without proxy.

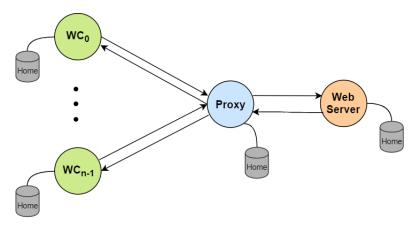


Figure 4.5: Example of caching using proxy.

4.1. PROXY 25

#### Filtering

The proxy can do two actions:

#### - Filtering the requested resource by the client

there are many companies that doesn't give access to some services (E.g. no access to Facebook, Youtube, ...).

We cannot use a filtering approach at lower levels because in some cases clients can access to services through intermediate addresses, different from the one we want to reach. Hence we need to analyze the HTTP request at upper layer.

#### - Filtering the content of the response

for parent control approach.

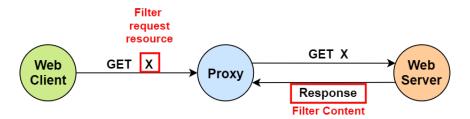


Figure 4.6: Example of proxy filtering.

#### • Web Application Firewall (WAF)

The proxy is specialized and used to block suspicious requests. This is done by analyzing request content, looking for not secure pattern.

A possible pattern can be ".." in the path of the resource, that could give access to not accessible part of the File System (injection). Another possible pattern could be a suspicious parameter for a web application to manage SQL database (SQL injection).

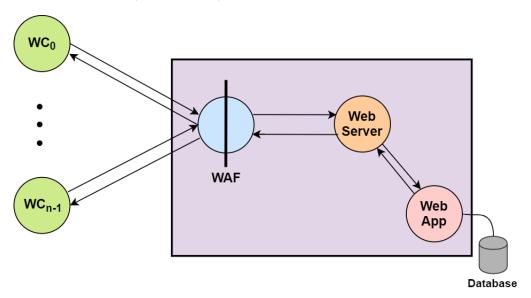


Figure 4.7: Example of WAF use.

#### • Load Balancing

The proxy is a load balancer for the clients requests to the server.

There are many servers to manage requests by client. The client makes the request of the web page but in the reality it's talking with the proxy, that manage the request by sending it to a particular server. This action is repeated for each client's request. Hence the client thinks that is talking to one server but in reality, the proxy distribute the requests among several servers.

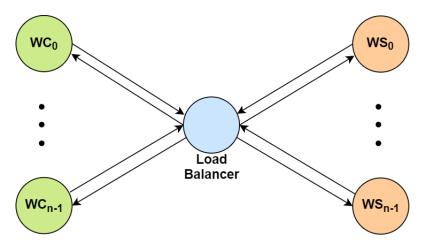


Figure 4.8: Example of load balancing through proxy.

#### 4.2 Router

A router is a device that does two main functions:

#### 1. Routing

it decides on which outbound link send the packet. This decision is based on destination address and its router table (Table 4.1). In each routing table, a network address is associated to an outbound interface, where the packet will be forwarded.

Each network address is followed by a "/" and a number that defines how many most significant bits of **net mask** are set to 1. The default adddress, that is always in each routing table, is **0.0.0.0**. This one is associated to the interface on which the packet will be sent if no one of the previous messages matches with the one of the destination.

For each entry of the routing table, the network address is ANDed with its net mask and the IP address, we are looking for, ANDed with that net mask gives us the same result of the first one, the packet is sent to the corresponding interface.

The default address **0.0.0.0** is associated with a net mask, composed by all 0's. Hence every address, ANDed with this net mask, matches with default address **0.0.0.0**.

| Address prefix | Outbound interface |
|----------------|--------------------|
| 147.162.0.0/16 | 2                  |
| 88.80.187.0/24 | 4                  |
|                |                    |
| 0.0.0.0        | 1                  |

Table 4.1: Example of a routing table.

#### 2. Switching

it sends the packet to the link previously selected.

Each router manages all the incoming packets, storing them in a input **FIFO buffer** (Standard Service Layer). By default, if packets arrive too fast to in the buffer, w.r.t. velocity of incoming data processing, new packets are dropped if buffer is already full according to some policy (Figure ??).

Hence routers has not responsability if some packets are dropped because of it declares it in advance and its goal is to give user the best effort. The behaviour of the router management of the input buffer is based on different policy, according to a goal:

# • To reduce latency the packets are sorted by precedence index

4.2. ROUTER 27

#### • To reduce throughput

the packets are stored by index, calculated by the router, based on the amount of data transfered from each source/destination in a time unit (e.g. RSUP, virtual clock, MPLS, Stop & GO criteria)

The user cannot set all the possible criteria, because these depend from agreement developed with Service Provider. Hence the Internet Service Provider, if all criteria are set, reset them all before sending packets to Internet.

# Chapter 5

# Layer 2

It's the layer responsible of sending packets over the network. As it will be explained in Chapter 6, Layer 3 network disappeared and all local area network are supported by Layer 2. Hence routing isn't needed in the network anymore.

When a smartphone connect to a network, uses a Point to Point Layer 2 connection using LTE/4G/5G, and it's connected to Local Network Area (LAN) using WiFi. Layer 2 supports protocols HDLC, PPP(Point to Point Protocol) in Point to Point connections and Ethernet(IEEE 802.3 802.11) in LAN (Local Area Networks). Hence Internet Packet passes only through two types of networks: Point to Point link or Local Area Networks.

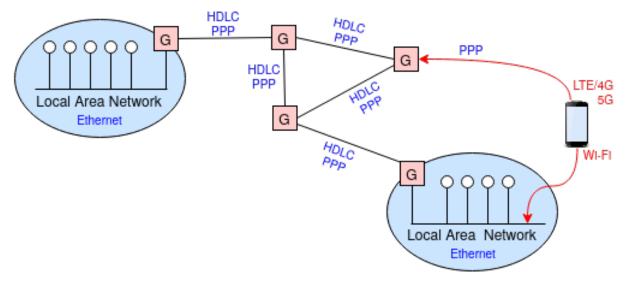


Figure 5.1: Nowadays L2 connections.

#### 5.1 Ethernet

In Ethern protocol, there was a coaxiale cable, long about 1.5 km, on which host interconnect (Figure 5.2). All the hosts electrically shared a bus. In the past hosts ethernet interfaces were connected through a vampire tap junction but now, they are connect to cable using a T-junction (see Figure 5.3 and Figure 5.4). The difference between them is that the first one connects electrically to the cable (connecting it to a cable cut) and the second one is used only in ethernet cables that are physically composed by different cable (segments) and the T-junction is put at intersection of two segments.

The protocol supports Carriege Sense Multiple Access Collision Detection (CSMA/CD), used for coordination between hosts, that it's composed by two strategies:

#### • Carrier sense

An host can't speak while anyone else is speaking

30 CHAPTER 5. LAYER 2

#### • Collision detection

the protocol resolves conflicts raised during the contention time. Contention time is the time in which people, that respect first rules, can also go in conflict starting talking together at the same moment.

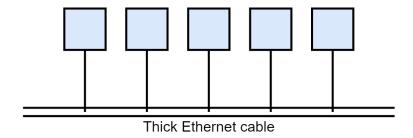


Figure 5.2: Ethernet.

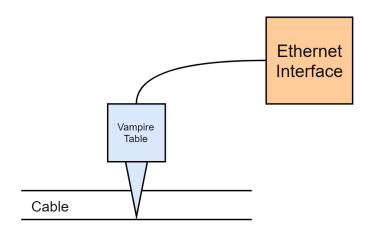


Figure 5.3: Vampire tap.

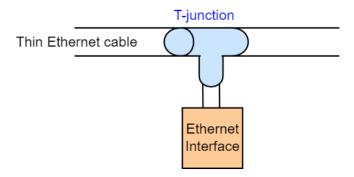


Figure 5.4: T-junction.

In Figure 5.5,  $N_B$  detects the collision only when the packet from  $N_A$ , arrives to  $N_B$ , after the collision with the packet sent by  $N_A$ .

The **propagation time (pt)** is the time between the moment in which the host sends the message and the one in which the message arrives to remote host. This time is computed w.r.t. value of light velocity(ideal velocity of packets in Internet) and the absolute distance between the two hosts, that are talking each other.

$$propagation \; time \; (pt) \; = \; \frac{absolute \; distance}{light \; velocity}$$

Considering that the absolute distance is about km (10<sup>3</sup> m), the value of the light velocity is 10<sup>8</sup> m/s and the

5.1. ETHERNET 31

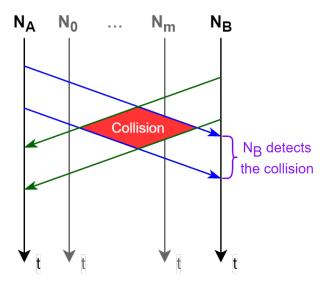


Figure 5.5: Collision detection.

bandwith is about  $10^7$  bit/sec, we obtain that we can transmitt  $10^2 bit$ . Hence we could transmit about  $10 \div 100$  bytes, but then the number of bytes was standardized to 64 bytes.

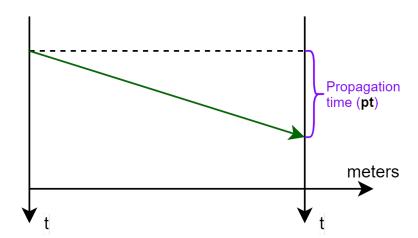


Figure 5.6: Propagation time.

To avoid the collision, when  $N_B$  detect the collision, it waits a ranom time to send again the lost previous packet (Figure 5.7). The random time is defined as follows:

$$random\ time = rand()*2*pt$$

If there is another collision during this period, the random value rand() increases the range in which we can generate a random value. This ranges are defined through this  $exponential\ backoff$  sequence:

- **1)** [0, 1]
- **2**) [0, 3]
- **3)** [0, 7]
- **4)**  $[0, 2^n 1]$

32 CHAPTER 5. LAYER 2

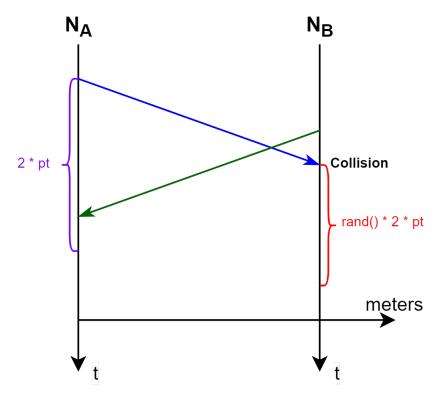


Figure 5.7: Collision avoid.

## 5.1.1 Ethernet frame

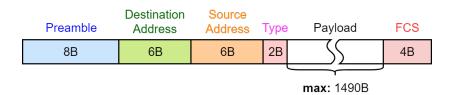


Figure 5.8: Ethernet packet.

#### • Preamble

synchronization signal 10101010...1010011 where the last three bits are called SFD().

#### • Destination address & Source address

MAC (Medium Access Control) addresses, that are Hardware identifiers (broadcast= ff:ff:ff:ff:ff:ff:ff).

## • Type

type of upper layer protocol used (e.g. Internet Protocol =  $\theta x \theta 8 \theta \theta$ ) [3].

#### • Payload

payload of the ethernet frame.

#### • FCS

Frame check sequence (FCS) is a CRC that allows detection of corrupted data within the entire frame as received on the receiver side.

5.1. ETHERNET 33

## 5.1.2 Hub and switches

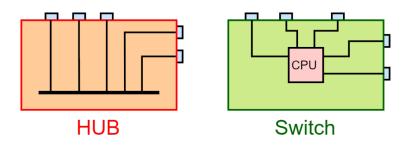


Figure 5.9: Hub and switches.

There two main types of devices, that uses ethernet and creates LANs, are (Figure 5.9):

#### • Hub

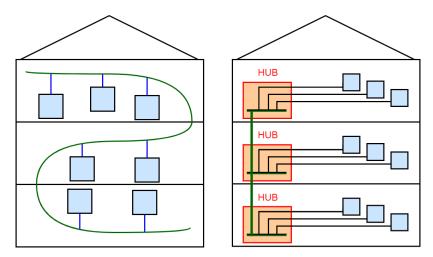


Figure 5.10: Cabled LAN vs LAN with hubs.

- All the nodes, connected to the hub, receive all packets sent by another node but only destination node considers it. The other ones discard them.
- Broadcast is very efficient.
- There is Collision.
- Network security level is very low.

## • Switch

34 CHAPTER 5. LAYER 2

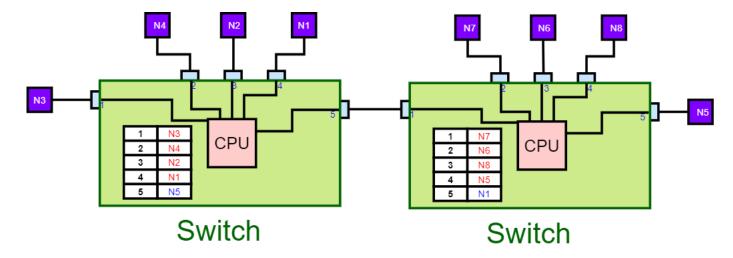


Figure 5.11: Switch connection.

- Only the destination node can see the packets sent by another node to it.
- There aren't collision.
- Broadcast is supported.

In the example of Figure 5.12, there is an aggregate bandwitch of 200 Mbps on a 100 Mbps network.

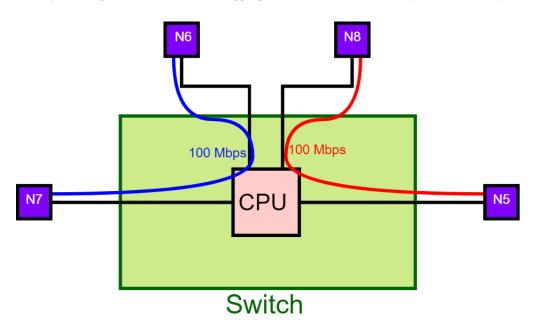


Figure 5.12: Bandwidth switching.

## 5.1.3 Virtual LAN (VLAN)

Using switches, we can also logical create subnetworks of the hosts connected to the switch. For security reason, the access, to other subnetworks of the hosts connected to the hub, is usually managed through gateways connected to particular ports of the switch. Hence a packet, sent from a virtual network to another one, is sent to that ports to be able reach the final destination.

5.1. ETHERNET 35

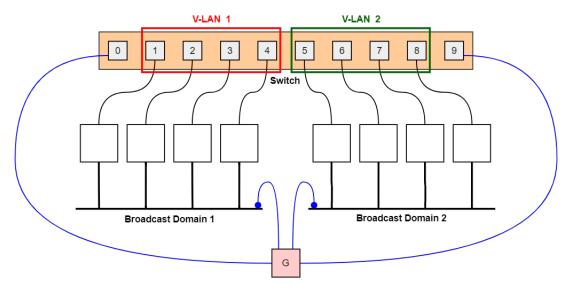


Figure 5.13: VLANs.

It is also possible to create a VLAN over 2 different switches (Figure 5.14). The connection between the two switches is done by adding an Layer-2 or Layer-3 connection. In the second case the connection is called Lan  $Emulation\ Tunneling\ (VPN)$ .

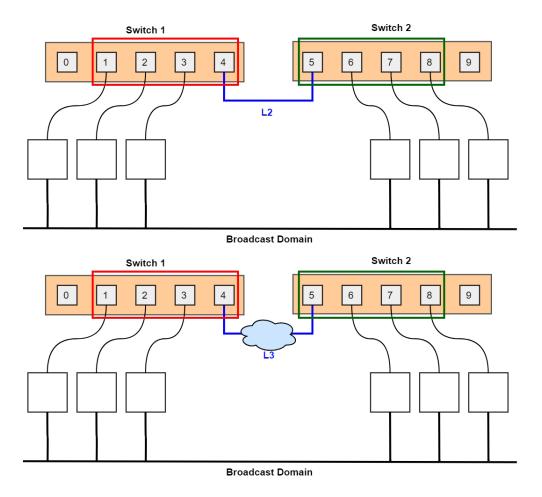


Figure 5.14: VLAN over two switches.

36 CHAPTER 5. LAYER 2

## 5.1.4 Address Resolution Protocol (ARP)

Using the Ethernet protocol and sending an Internet Protocol packet, the sender needs to know MAC address of remote node. To resolve the IP address of the remote host, we use the DNS protocol. After the IP address is found, we need to resolve the IP address of the destination host into the MAC address of corresponding machine, using the **Address Resolution Protocol (ARP)** [1].

This method works as follows (Figure 5.16):

```
if( (IP_dest & netmask_src) == (IP_src & netmask_src))
{
    /*
    The source and the destination are in the same network (LAN)
    The answer is sent in broadcast to all the hosts in the network, specifying the IP_dest and the host that has the specific IP_dest, replies with its MAC_dest

Then there will be a new packet, sent to [IP_dest, MAC_dest] machine (example of this packet in the Figure 6.15)
    */
} else
{
    /*
    The source and the destination are in different networks (LANs)
    The answer is sent in broadcast, from H_src, asking for the MAC_gat of the host in the LAN with with IP_gat

Then knowing it, it will be sent a new packet to the specific gateway host MAC_host but specyfing IP_dest (example of this packet in the Figure 6.15)
    */
}
```

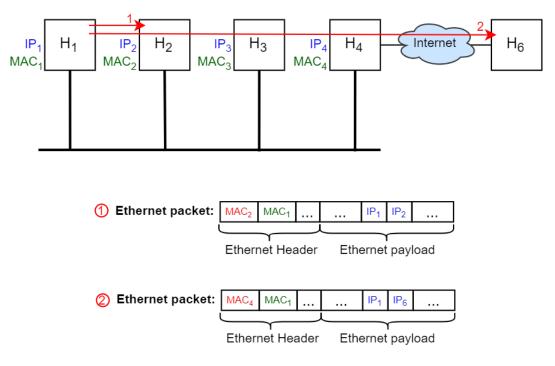


Figure 5.15: ARP.

5.1. ETHERNET 37

#### 5.1.4.1 ARP message format

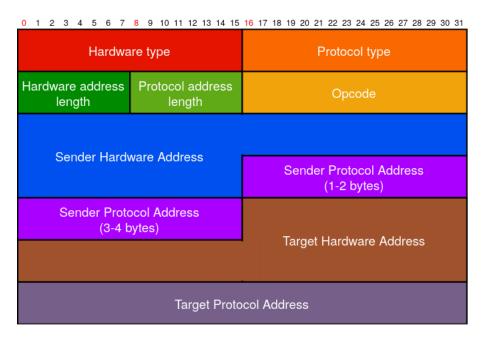


Figure 5.16: ARP message format.

#### • Hardware type

Hardware type (0x0001=Ethernet protocol).

#### • Protocol type

Protocol type (0x0800=Internet protocol).

#### • Hardware Address Length

Length of Hardware Address in bytes (6 = MAC address).

## • Protocol Address Length

Length of Protocol Address in bytes (4 = IP address).

## • Opcode

code representing the type of ARP message.

| 0x01 | ARP request  |
|------|--------------|
| 0x02 | ARP reply    |
| 0x03 | RARP request |
| 0x04 | RARP reply   |

RARP protocol works as ARP but it's used to obtain IP address from the MAC address. This is usually used trying to connect to wireless networks. In this case, the user needs to have a specific IP address to connect to Internet and through ARP he can obtain it.

Today RARP protocol is not used anymore because we use DHCP, an evolution of RARP.

#### • Sender Hardware Address

Hardware Address of whom sends ARP message.

#### • Sender Protocol Address

Protocol Address of whom sends ARP message.

38 CHAPTER 5. LAYER 2

## • Target Hardware Address

Hardware Address we want to obtain through ARP or Hardware address we want to solve through RARP ( $all\ zeros$  in ARP request).

## • Target Protocol Address

Protocol Address that we want to solve or protocol Address we want to obtain through RARP ( $all\ zeros$  in ARP request).

## Chapter 6

## Internet Protocol

The Internet protocol was the result of research job made by american Department of Defence (DoD). *Internet* means Inter-networks communication and was designed for use of interconnected systems of packet-switched computer communication networks. The only things in common between the networks is the packet architecture. Today the Internet Protocol is the only one yet used in Layer 3. The Internet Protocol provides transmission of blocks of data called datagrams, from sources to destinations, where sources and destinations are hosts identified by fixed length addresses [8].

The two main functions, that Internet Protocol needs to provide, are:

- 1. Definition of unified addresses (Section 6.2)
- 2. Fragmentation (Section 6.3)

The creation of Internet Protocol comes from the needs of interconnection between networks (Figure 6.1). Each network has its own protocol and it's composed by serveral devices, connected each other. The terminal devices of a network are the hosts and they can talk to others in the net through routers.

The new devices added with the invention of Internet Protocol were the Gateways, devices similar to routers that also translate protocols of different networks. The links inside the network (that connects routers and hosts) work on Layer 3 and the links between gateways work as Layer 2 networks, that doesn't required routing function.

Nowadays, networks are almost local so the gateways work mostly as routers. In fact, the routers don't exist as their definition tells (Figure 6.2). The routing mechanism is no more done at Layer-3 but at Layer-2. Ping is the most known service of Internet Protocol.

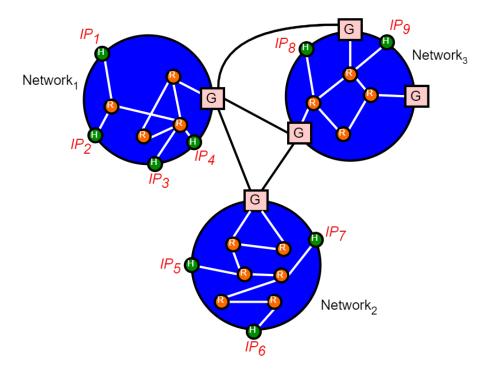


Figure 6.1: Internet structure.

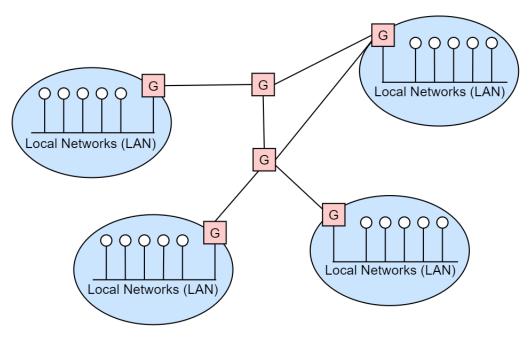


Figure 6.2: LAN structure.

6.1. TERMINOLOGY 41

## 6.1 Terminology

• Round Trip Time (RTT)

time needed from network to send the packet and receive the response packet

• Delay

passed time before the true service

• Bit rate (Bandwidth)

amount of Bit/s or Bytes/s of the network

• Throughput

amount of data/s that I can really transmit

• Relaibility

capacity of being reliable and losing few packets. It's related to inverse of:

$$loss \ rate = \frac{\# \ lost \ packets}{\# \ sent \ packets}$$

## 6.2 IP address

To send packets among different networks, we need to identify gloabally the destination host and IP address was designed to solve this problem. The IP addresses are 32 bits numbers. They are commonly represented as a set of 4 numbers separated by a point and each of them is the decimal representation of the corresponding byte in the IP address.

An IP address can be divided into two parts: Network part and Host part. In the past, the IP addresses were classified by three main classes, based on the size of their Network part:  $Class\ A$ ,  $Class\ B$ ,  $Class\ C$  (Figure 6.3).

This classification of addresses in this way isn't very efficient because this cannot manage well addressing of large number of small networks or small number of large networks.

To do it it was introduced the Net Mask, a bit mask composed by a sequence of 1's followed by 0's, that permits us to define the parts of an address of whatever dimension we want (Figure 6.4). This is useful also to create subnetworks of a given set of hosts (Figure 6.5).

There are also two special addresses:

• Network address (no hosts)

Host part = 0...0000

• Broadcast address (all hosts in the network)

Host part = 1...1111

Hence to give an address to each endpoint of a **Point To Point** link, we need to use at least an Host part of 2 bits (Figure 6.6).

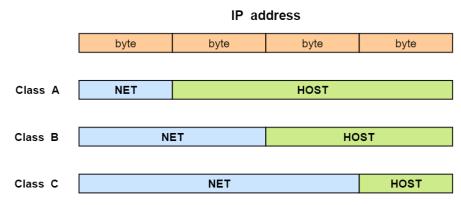


Figure 6.3: IP classes.

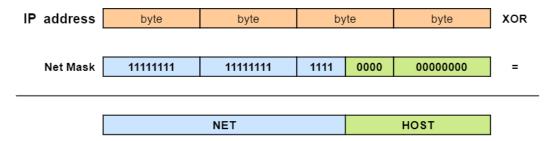


Figure 6.4: Example of netmask use.

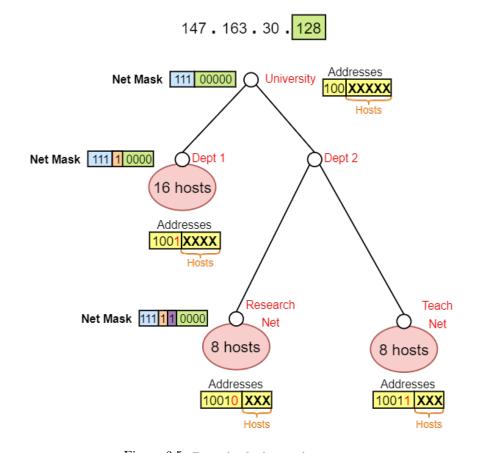


Figure 6.5: Example of subnetworks structure.

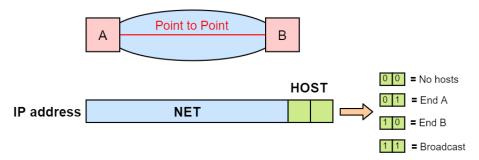


Figure 6.6: Example of Point to Point connection network.

6.3. FRAGMENTATION 43

## 6.3 Fragmentation

In each network, the IP information is embedded in a Layer 3 packet that respects protocol of the network in which it is. Then when the packet reach a gateway, its IP info is removed from the packet and encapsulated in a Layer 2 packet, to be sent to another network (Figure 6.7). Each IP packet is also called **Datagram**.

Each network is defined by a Maximum Transfer Unit (MTU), that defines the maximum size of each Layer 3 packet inside the network. Hence, if the IP information, that reach a gateway of the network, is larger than MTU, the gateway reduces its size (Figure 6.8).

If a packet pass through many networks and their MTUs are very different, using datagrams, we are sure that the packets won't arrive as in the same order in which they are sent. The reason why this happens is that they are sent without the use of a stream. To manage this problem, when the gateway creates a packet, this stores the first index of the sequence of the bytes of the original IP information.

The last packet, that composed initial IP message, has the flag **More Fragments(MF)** set to 0. This information with the knowledge of the length and the first byte index of the last packet, permits to define the length of the original message, whenever it arrives. Each packet can fit easly in the buffer of the gateway receiver (Figure 6.9).

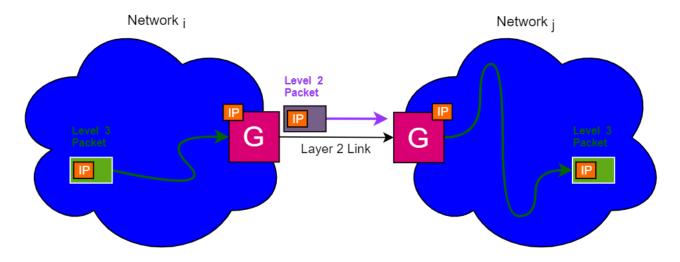


Figure 6.7: Example of encapsulation of IP packet.

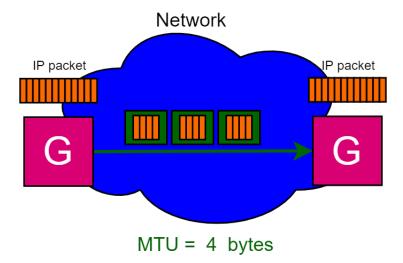


Figure 6.8: Example of fragmentation.

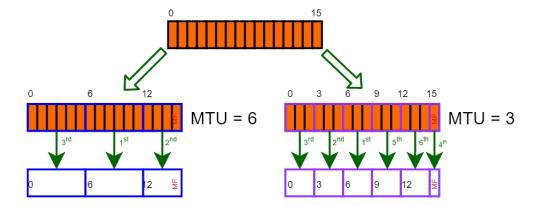


Figure 6.9: Example of fragment labeling.

## 6.4 Internet Header Format

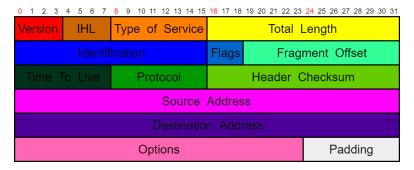


Figure 6.10: Internet header format.

The content of the internet header is (Figure 6.10):

- Version format of the internet header
- $\bullet$  IHL length, measured in words of 32 bits, of the internet header (minimum value = 5)
- Type of Service parameters of the Quality of Service (QoS) desired (Figure 6.12). Bits 6-7 are reserved for future use.

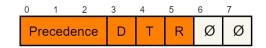


Figure 6.11: Type of service field.

|   | Delay (D) | Throughput(T) | Relaibility (R) |
|---|-----------|---------------|-----------------|
| 0 | Normal    | Normal        | Normal          |
| 1 | Low       | High          | High            |

Table 6.1: Bits 3,4,5 of Type of Service.

| 111 | Network Control      |  |
|-----|----------------------|--|
| 110 | Internetwork Control |  |
| 101 | CRITIC/ECP           |  |
| 100 | Flash Override       |  |
| 011 | Flash                |  |
| 010 | Immediate            |  |
| 001 | Priority             |  |
| 000 | Routine              |  |

Table 6.2: Precedence of Type of Service.

#### • Total Length

length, measured in octets, including internet header and data.

This field allows the length of a datagram to be up to 65,535 octets. Such long datagrams are impractical for most hosts and networks. All hosts must be prepared to accept datagrams of up to 576 octets (whether they arrive whole or in fragments). It is recommended that hosts only send datagrams larger than 576 octets if they have assurance that the destination is prepared to accept the larger datagrams.

#### • Identification

an identifying value assigned by the sender to aid in assembling the fragments of a datagram. It's a random number generated by host while creating the packet, that is different from numbers of all other packets.

#### • Flags

varius control flags. The bit 0 is reserved and must be 0.



Figure 6.12: Flags.

|   |   | Don't Fragment (DF) | More Fragments (MF) |
|---|---|---------------------|---------------------|
|   | 0 | May Fragment        | Last Fragment       |
| ĺ | 0 | Don't Fragment      | More Fragments      |

Table 6.3: DF and MF flags.

If DF set and a packet that arrives to a network should be divided in smaller fragments, it's dropped.

#### • Fragment Offset

This field indicates where in the datagram this fragment belongs (position of the fragment in the original long packet).

The fragment offset is measured in units of 8 octets (64 bits). The first fragment has offset zero. It's computed starting from initial position in the packet.

#### • Time to Live

maximum time (number of forward for the packet) the datagram is allowed to remain in the internet

system.

This counter is set by host that generated the packet. Every node in the network (routers, switches), that process the packet, decrements the value of this field.

When a node, decrementing this field, reaches zero value for Time To Live, it drops the packet immediately. Time To Live prevents that a packet stays in the network too much time compromising infrustructure efficiency.

#### • Protocol

the next level protocol (Layer 4) used in the data portion of the internet datagram. In general it's called ULP (Upper Layer Protocol). This is useful and was done also at upper layer, using port numbers, because it's a way to communicate future use to upper layer. This field is the upper layer protocol type (/etc/protocols on UNIX) and it's used by Operating System to understand to which module send a specific part of the packet.

#### • Header Checksum

a checksum on the header only.

How to compute it

The checksum field is the 16 bit one's complement of the one's complement sum of all 16 bit words in the header. For purposes of computing the checksum, the value of the checksum field is zero. The two main operation used in its computation are:

#### One's complement sum(⊕)

two words of 16 bits are summed up, bit by bit, and the last carry is summed up to the previous result. The following example shows how to sum two number with this operator:

#### - Ons's complement

the value of each bit, inside the result of 16 bit sum of all the words, change their values.

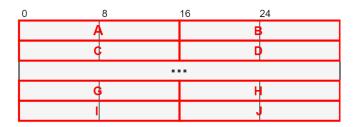


Figure 6.13: Words of payload evaluated in checksum.

$$Checksum = (A \oplus B \oplus C \oplus D \oplus ... \oplus A \oplus B \oplus C \oplus D \oplus)$$

This algorithm is very simple but experimental evidence indicates it works. Nowadays, it's quite always used CRC procedure.

#### • Source Address

the source IP address

## • Destination Address

the destination IP address

## • Options

it's variable and it may appear or not in datagrams. They must be implemented by all IP modules (host and gateways).

What is optional is their transmission in any particular datagram, not their implementation.

# Chapter 7

# **ICMP**

ICMP (Internet Control Message protocol) messages are embedded into IP datagrams [7]. ICMP can also be seen as a protocol that makes use of IP.

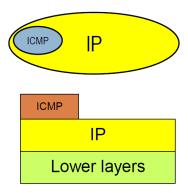


Figure 7.1: How ICMP is embedded in IP datagrams.

The main controls, made by ICMP, are:

## • Error management (passive)

- Destination unreachable
- Time expired (TTL or fragment reassembly timer)
- Data inconsistency
- Flow control

#### • Active mode

Echo + Echo Reply (ping Unix)

In the IP header, the field protocol takes value 1 and indicates that the payload is an ICMP message.

50 CHAPTER 7. ICMP

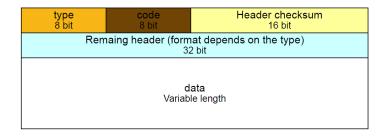


Figure 7.2: Format of ICMP message.

| 0  | Echo reply                |
|----|---------------------------|
| 3  | Destination unreachable   |
| 4  | Source Quench             |
| 5  | Redirect (change a route) |
| 8  | Echo request              |
| 11 | Time exceeded             |
| 12 | Parameter problem         |
| 13 | Timestamp request         |
| 14 | Timestamp reply           |
| 17 | Address mask request      |
| 18 | Address mask reply        |

Table 7.1: Type values.

Other header fields depend on the type of message that must to be generated.

## 7.1 Main rules of ICMP error messages

- No ICMP error message will be generated in response to a datagram carrying an ICMP error message
- No ICMP error message will be generated for a fragmented datagram that is not the first fragment
- No ICMP error message will be generated for a datagram having a multicast address
- $\bullet$  No ICMP error message will be generated for a datagram having a special address such as 127.0.0.0 or 0.0.0.0.

NOTE: No all routers generate ICMP messages.

## 7.2 Types of ICMP messages

#### 7.2.1 Echo

Echo-request and Echo-reply are used to check the reachability of hosts and routers. Upon receiving an Echo-request, the ICMP entity of a device immediately replies with Echo reply.

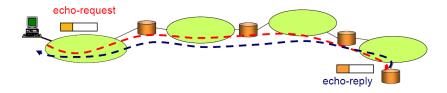


Figure 7.3: ECHO requests and replies in practice.

Type: 
$$\Rightarrow 8 \text{ request}$$
  
 $\Rightarrow 0 \text{ reply}$ 

Code: 
$$\Rightarrow 0$$

| type<br>(8 request, 0 reply) | code<br>(0) | Header checksum |
|------------------------------|-------------|-----------------|
| identifier                   |             | sequence number |
| optional data                |             |                 |

Figure 7.4: Format of ECHO message.

Other important fields of Echo messages are:

#### • Identifier

Each Echo message has an identifier, defined in the Echo request, and replicated in the Echo reply.

#### • Sequence number

Consecutive requests may have the same identifier and change from others for sequence number only. The sequence number is used to measure the RTT and count the number of lost bytes.

#### • Optional data

The sender can add **Optional data** to the request message. The data will be replicated in the reply message.

The payload of Echo (IP datagram) is used to check the capacity of a link (RTT is bigger if the link has small bitrate).

#### 7.2.2 Destination unreachable

When a packet is dropped, an error message is returned, through ICMP, to the source.

Type: 
$$\Rightarrow 3$$

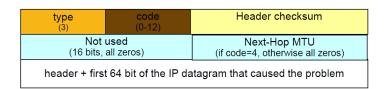


Figure 7.5: Destination unreachable message format.

The "code" field of the ICMP message refers to the type of error that has generated the message.

52 CHAPTER 7. ICMP

| Code | Description  | References |  |
|------|--|------------|--|
| 0    | Network unreachable error.   | RFC 792    |  |
| 1    | Host unreachable error.  | RFC 792    |  |
| 2    | Protocol unreachable error.  | RFC 792    |  |
|      | Sent when the designated transport protocol is not supported.                    | 1010 192   |  |
|      | Port unreachable error.  |            |  |
| 3    | Sent when the designated transport protocol is unable to demultiplex             | RFC 792    |  |
|      | the datagram but has no protocol mechanism to inform the sender.                 |            |  |
| 4    | The datagram is too big.   | RFC 792    |  |
| _    | Packet fragmentation is required but the DF bit in the IP header is set.         | 101 0 102  |  |
| 5    | Source route failed error.   | RFC 792    |  |
| 6    | Destination network unknown error.   | RFC 1122   |  |
| 7    | Destination host unknown error.  | RFC 1122   |  |
| 8    | Source host isolated error. (Obsolete)   | RFC 1122   |  |
| 9    | The destination network is administratively prohibited.                          | RFC 1122   |  |
| 10   | The destination host is administratively prohibited.                             | RFC 1122   |  |
| 11   | The network is unreachable for Type Of Service.                                  | RFC 1122   |  |
| 12   | The host is unreachable for Type Of Service.                                     | RFC 1122   |  |
| 13   | Communication Administratively Prohibited.                                       | RFC 1812   |  |
| 13   | Administrative filtering prevents a packet from being forwarded.                 | RFC 1812   |  |
|      | Host precedence violation.   | RFC 1812   |  |
| 14   | The requested precedence is not permitted for the particular combination         | 1010 1012  |  |
|      | of host or network and port.   |            |  |
| 15   | Precedence cutoff in effect.   | RFC 1812   |  |
| 10   | The precedence of datagram is below the level set by the network administrators. |            |  |

Table 7.2: Code values.

## 7.2.3 Time exceeded

It's generated when some packets are missing or don't reach the destination.

Type: 
$$\Rightarrow 3$$

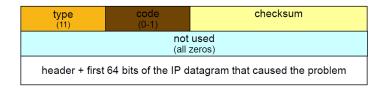


Figure 7.6: Time exceeded message format.

The main problems, that generate this message, are:

| $\mathbf{Code}$ | $\mathbf{Problem}$                                    |  |
|-----------------|---|--|
| 0               | Generated by a router when it decreases the TTL to 0  |  |
|                 | Returned to the source of the IP datagram             |  |
| 1               | Generated by the destination, when some fragments are |  |
| 1               | missing, after the fragment reasembly timer expires   |  |

## 7.2.4 Parameter problem

It's generated when there are some wrong formats or unknown options.

Type: 
$$\Rightarrow 12$$

| type<br>(12)  | code<br>(0-1)   | checksum |
|---|-----------------|----------|
| pointer   | Not used<br>(0) |          |
| header + first 64 bits of the IP datagram that caused the problem |                 |          |

Figure 7.7: Format of Parameter problem message.

The main problems generated by this message are:

|   | $\mathbf{Code}$ | Problem   |
|---|-----------------|---|
| If the header of an IP datagram contains a malformat) |                 | If the header of an IP datagram contains a malformed  |
|   |                 | field (violate format)                                |
|   | 1               | Used when an option is unknown or a certain operation |
|   | 1               | cannot be carried out                                 |

## 7.2.5 Redirect

It's generated by a router to require the source to use a different router

Type: 
$$\Rightarrow 5$$
  
Code:  $\Rightarrow 0 - 3$ 

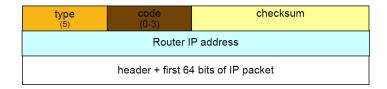


Figure 7.8: Format of Redirect message.

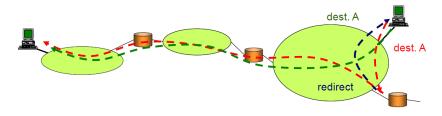


Figure 7.9: How Redirect messages are used.

## 7.2.6 Timestamp request e reply

It's used to exchange clock information between source and destination.

Type: 
$$\Rightarrow 13 \text{ request}$$
  
 $\Rightarrow 14 \text{ reply}$ 

54 CHAPTER 7. ICMP

Code:  $\Rightarrow 0$ 

| type<br>(13 request, 14 reply) | code<br>(0) | checksum        |
|--------------------------------|-------------|-----------------|
| identifier                     |             | sequence number |
| originate timestamp            |             |                 |
| receive timestamp              |             |                 |
| transmit timestamp             |             |                 |

Figure 7.10: Format of Timestamp request and reply.

- Originate timestamp inserted by the source
- Receive timestamp inserted by the destination right after receiving the ICMP message
- Transmit timestamp inserted by the destination just before returning the ICMP message

## 7.2.7 Address mask request and reply

It's used to ask for the netmask of a router/host.

Type: 
$$\Rightarrow 17 \text{ request}$$
  
 $\Rightarrow 18 \text{ reply}$ 

Code: 
$$\Rightarrow 0$$

| type<br>(17 request, 18 reply) | code<br>(0) | checksum        |
|--------------------------------|-------------|-----------------|
| identifier                     |             | sequence number |
| address mask                   |             |                 |

Figure 7.11: Format of Address mask request and reply.

#### $\bullet$ Address mask

In the request message, it's void and it is populated by the device that replies to the request

# Chapter 8

# Transport layer

## 8.1 UDP (User Data protocol)

This User Datagram Protocol (UDP) is defined to make available a datagram mode of packet-switched computer communication in the environment of an interconnected set of computer networks [10]. This protocol provides a procedure for application programs to send messages to other programs with a minimum of protocol mechanism. The protocol is transaction oriented, and delivery and duplicate protection are not guaranteed. Applications requiring ordered reliable delivery of streams of data should use the Transmission Control Protocol (TCP).

## 8.1.1 UDP packet format

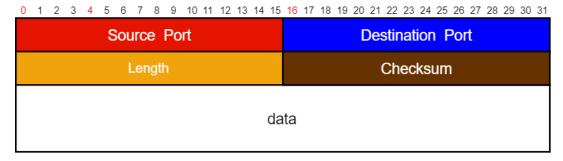


Figure 8.1: UDP packet format.

- Source Port (16 bits)
  The source port number
- Destination Port (16 bits)
  The destination port number
- Length (16 bits) The length in octets of this user datagram including this header and the data
- Checksum (16 bits)

The checksum of information from the IP header, the UDP header, and the data, padded with zero octets at the end (if necessary) to make a multiple of two octets.

The pseudo header, conceptually prefixed to the UDP header, contains the source address, the destination address, the protocol, and the UDP length. This information gives protection against misrouted datagrams. This checksum procedure is the same as is used in TCP.

If the computed checksum is zero, it is transmitted as all ones (the equivalent in one's complement arithmetic). An all zero transmitted checksum value means that the transmitter generated no checksum (for debugging or for higher level protocols that don't care).



Figure 8.2: Pseudo header.

## 8.2 TCP (Transmission Control protocol)

The Transmission Control Protocol (TCP) is intended for use as a highly reliable host-to-host protocol between hosts in packet-switched computer communication networks, and in interconnected systems of such networks [9].

## 8.2.1 TCP packet format

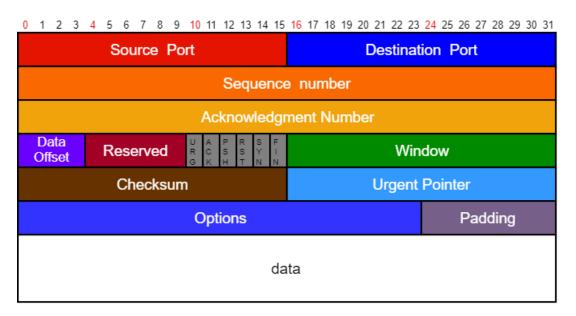


Figure 8.3: TCP packet format.

## • Source Port (16 bits)

The source port number

# • Destination Port (16 bits) The destination port number

#### • Sequence Number (32 bits)

The sequence number of the first data octet in this segment (except when SYN is present). If SYN is present the sequence number is the initial sequence number (ISN) and the first data octet is ISN+1.

#### • Acknowledgment Number (32 bits)

If the ACK control bit is set this field contains the value of the next sequence number the sender of the segment is expecting to receive. Once a connection is established this is always sent.

#### • Data Offset (4 bits)

The number of 32 bit words in the TCP Header. This indicates where the data begins. The TCP header (even one including options) is an integral number of 32 bits long.

#### • Reserved (6 bits)

Reserved for future use. Must be zero.

• Control Bits (6 bits (from left to right))

| $\mathbf{Bit}$ | Meaning                          |
|----------------|----------------------------------|
| URG            | Urgent Pointer field significant |
| $\mathbf{ACK}$ | Acknowledgment field significant |
| PSH            | Push Function                    |
| RST            | Reset the connection             |
| SYN            | Synchronize sequence numbers     |
| FIN            | No more data from sender         |

#### • Window (6 bits)

The number of data octets beginning with the one indicated in the acknowledgment field which the sender of this segment is willing to accept.

#### • Checksum (16 bits)

The checksum field is the 16 bit one's complement of the one's complement sum of all 16 bit words in the header and text. If a segment contains an odd number of header and text octets to be checksummed, the last octet is padded on the right with zeros to form a 16 bit word for checksum purposes.

The pad is not transmitted as part of the segment. While computing the checksum, the checksum field itself is replaced with zeros. The checksum also covers a 96 bit pseudo header conceptually prefixed to the TCP header.

This pseudo header contains the Source Address, the Destination Address, the Protocol, and TCP length. This gives the TCP protection against misrouted segments. This information is carried in the Internet Protocol and is transferred across the TCP/Network interface in the arguments or results of calls by the TCP on the IP.

| 0 | 1 | 2 | 3  | 4  | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11  | 12  | 13   | 14  | 15  | 16  | 17  | 18   | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25  | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |
|---|---|---|----|----|---|---|---|---|---|----|-----|-----|------|-----|-----|-----|-----|------|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|
|   |   |   |    |    |   |   |   |   |   |    |     | S   | δοι  | ırc | е   | Ad  | dr  | ess  | s  |    |    |    |    |    |     |    |    |    |    |    |    |
|   |   |   |    |    |   |   |   |   |   |    |     | De  | esti | ina | tio | ı A | ۸dd | lres | SS |    |    |    |    |    |     |    |    |    |    |    |    |
|   |   |   | ze | ro |   |   |   |   |   | Р  | rot | occ | ol   |     |     |     |     |      |    |    |    | TC | PΙ | en | gth |    |    |    |    |    |    |

Figure 8.4: Pseudo header.

The TCP Length is the TCP header length plus the data length in octets (this is not an explicitly transmitted quantity, but is computed), and it does not count the 12 octets of the pseudo header.

#### • Urgent Pointer (16 bits)

This field communicates the current value of the urgent pointer as a positive offset from the sequence number in this segment. The urgent pointer points to the sequence number of the octet following the urgent data. This field is only be interpreted in segments with the URG control bit set.

#### • Options (variable length)

Options may occupy space at the end of the TCP header and are a multiple of 8 bits in length. All options are included in the checksum. An option may begin on any octet boundary. There are two cases for the format of an option:

#### - Case 1:

A single octet of option-kind.

#### - Case 2:

An octet of option-kind, an octet of option-length, and the actual option-data octets.

The option-length counts the two octets of option-kind and option-length as well as the option-data octets. Note that the list of options may be shorter than the data offset field might imply.

The content of the header beyond the End-of-Option option must be header padding (i.e., zero). A TCP must implement all options.

Currently defined options include (kind indicated in octal):

| K | ind | Length | Meaning              |
|---|-----|--------|----------------------|
|   | 0   | -      | End of option list   |
|   | 1   | -      | No-Operation         |
|   | 2   | 4      | Maximum Segment Size |

## • Padding (variable length)

The TCP header padding is used to ensure that the TCP header ends and data begins on a 32 bit boundary. The padding is composed of zeros.

## 8.2.2 Connection state diagram

A connection progresses through a series of states during its lifetime, that are (Figure 8.6):

#### • LISTEN

waiting for a connection request from any remote TCP and port.

#### • SYN-SENT

waiting for a matching connection request after having sent a connection request.

#### • SYN-RECEIVED

waiting for a confirming connection request acknowledgment after having both received and sent a connection request.

#### • ESTABLISHED

an open connection in which data received can be delivered to the user. The normal state for the data transfer phase of the connection.

#### • FIN-WAIT-1

waiting for a connection termination request from the remote TCP, or an acknowledgment of the connection termination request previously sent.

#### • FIN-WAIT-2

waiting for a connection termination request from the remote TCP.

## • CLOSE-WAIT

waiting for a connection termination request from the local user.

#### • CLOSING

waiting for a connection termination request acknowledgment from the remote TCP.

#### • LAST-ACK

waiting for an acknowledgment of the connection termination request previously sent to the remote TCP (which includes an acknowledgment of its connection termination request).

#### • TIME-WAIT

waiting for enough time to pass to be sure the remote TCP received the acknowledgment of its connection termination request.

#### • CLOSED

fictional state that represents no connection state at all.

In connection state diagram, each transition shows the event that generates the transition and the operation done as response to the event (Figure 8.5). Hence the event can be seen like the event for which a callback will be called and the operation is the set of instructions implemented in the code of the callback. The response x indicates that no action is performed.



Figure 8.5: Example of transition.

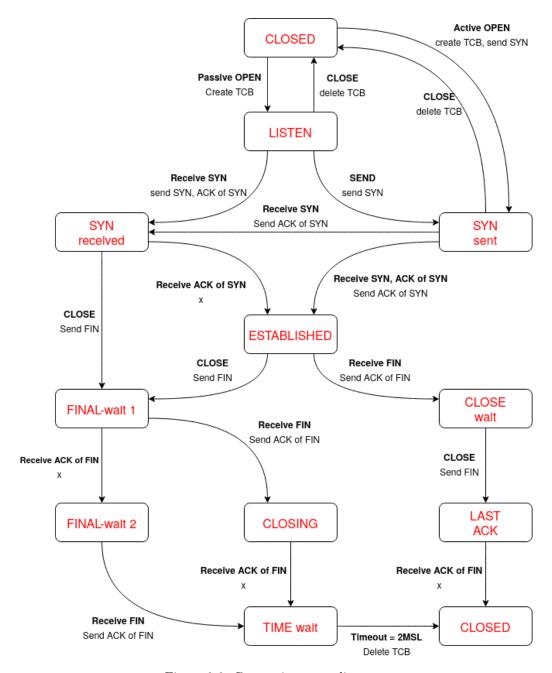


Figure 8.6: Connection state diagram.

## 8.2.3 Management packet loss

The warranty of the delivery of a packet was implemented at lower level. At layer 4, to understand if the packet is arrived to the receiver, the sender receives a packet called Acknowledgment (ACK).

When the sender sends a packet, he waits for a while. During this period, the sender is almost sure that ACK has to arrive. If it doesn't receive the ACK in this period, it sends again the same packet to the receiver. This behaviour is essential in implementation of sender code to receive a loss (Figure 8.7).

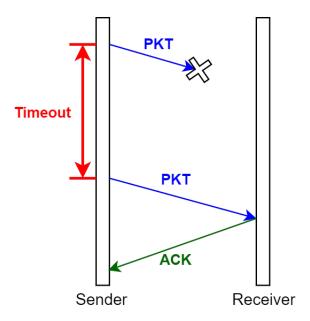


Figure 8.7: Timeout for waiting time of ACK.

If a loss of the ack occurs, the receiver must be able to handle the duplicate packet. Hence the packets need to have an indentifier that allows the receiver to be aware that packet is the same of the first one (Figure 8.8).

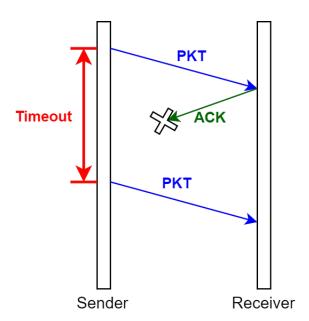


Figure 8.8: Management by receiver of doubled packets.

If the ACks arrive with a certain delay, we need to enumerate them. The reason can be found looking to Figure 8.9. If the sender sends a packet **PKT 1** and waits for its ACK for a timeout w. If the corresponding ACK arrives after w seconds, the sender has already resent **PKT 1** thinking that it's been lost. Then suppose that the sender receives **ACK of first PKT 1**, so it sends the next packet **PKT 2** but this will be lost. After a while the sender receives the **ACK of second PKT 1** but, if ACKs are not identified by numbers, the sender can think that the ACK is relative to **PKT 2** because it already receives **ACK of PKT 1**.

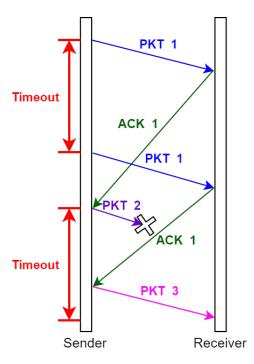


Figure 8.9: Problem with delayed ACK.

During the latency, sending a packet and waiting for its ACK before sending the new one causes waste of time and bandwidth capacibity (Figure 8.10.

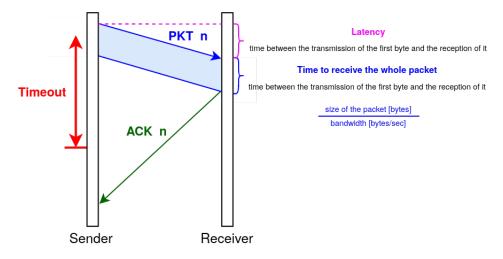


Figure 8.10: Transmission of a packet.

We send in optimistic way more packets to fit the network capacity (pipeline), betting that the whole packet will arrive to destination. The latency becomes negletable with respect to the time needed to send all the packets.

## 8.2.4 Segmentation of the stream

The buffer is split into segments of bytes and the numbers identify the byte positions. The identifier of the packet is the offset of the stream.

The **sequence number** is the position (offset of the first byte in the segment). The ACK number is the first empty (not yet received) position in the stream (e.g. in Figure 8.11 if segment 1, segment 2 and segment 4 have

been received all the ACK number is 21).

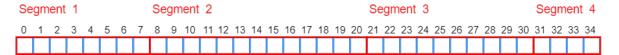


Figure 8.11: Example of segmentation of the stream.

## 8.2.5 Automatic Repeat-reQuest (ARQ)

ARQ is a control strategy of the errors that detects an error (without correction). Corrupted packets are discarded and there is the request of their retransmissions.

## 8.2.6 TCP window

A variable window size is usually used and it's increased when there is no packet loss. Variable timeouts are used also in this system. If a packet is lost, the ACK is stopped because it's cumulative and the size of the window is set again to 1.

There are two types of control:

- Flow control made by receiver
- Congestion control managing packet losses

| TX BUF | RX BUF | NAME                             | packet id   | Timeout    | Sender                                | Receiver actions                | Ack type       |
|--------|--------|----------------------------------|-------------|------------|---------------------------------------|---------------------------------|----------------|
| Ľ      | 1      | Stop & Wait                      | 1-bit       | single     | Send a packet awaits reply with the   | Respond ACK with packet id.     | single ACK     |
|        |        |                                  |             |            | same id, after timeout send packet id |                                 |                |
| Z      | 1      | go-back-N                        | $\log Nbit$ | window     | Send N packets after start ptr.       | Replies ACK with id only if     | cumulative ack |
|        |        |                                  |             |            | Awaits reply with id. $ptr = id$      | id is old id + 1                |                |
| Z      | Z      | Selective Repeat                 | log Nbit    | Single for | Send N packets after the last ACK.    | ACK replies to each packet with | selective ack  |
|        |        |                                  |             |            | Each ACK is specific to each packet,  | the id of the packet falling    |                |
|        |        |                                  |             | each frame | each packet has its own timeout.      | in the receiving window.        |                |
|        |        |                                  |             |            | The sliding window proceeds from the  |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | most recent packet received without   |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | previous "holes".                     |                                 |                |
| Z      | Z      | Sliding window                   | log Nbit    | window     | Send N packets after start ptr.       | Answers ACK cumulative          | ACK            |
|        |        | (TCP)                            |             |            | Each window has its timeout if it is  |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | not set (as soon as it is updated)    |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | it is set from the first sending.     |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | The sliding window resets to the      |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | cumulative attack.                    |                                 |                |
| Z      | Z      | Sliding window                   | log Nbit    | Single for | Send N packets after ptr start.       | Responds to ACK $+$             | cumulative ACK |
|        |        | $(\mathrm{TCP}) + \mathrm{SACK}$ |             |            | Each ack is cumulative.               | Contiguous data blocks          | + SACK         |
|        |        |                                  |             | each frame | Each packet has its own timeout.      |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | The sliding window resets itself      |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            | to the cumulative packet              |                                 |                |
|        |        |                                  |             |            |                                       |                                 |                |

There is usually a threshold, called **ssthresh**, and the actual window size is called **cwnd**. If **cwnd** is less than **ssthresh** the window size will be doubled at next step.

After the first increase of the window size up to the double of **ssthresh**, the window size will increase linearly in the range of [ssthresh, 2\*ssthresh]

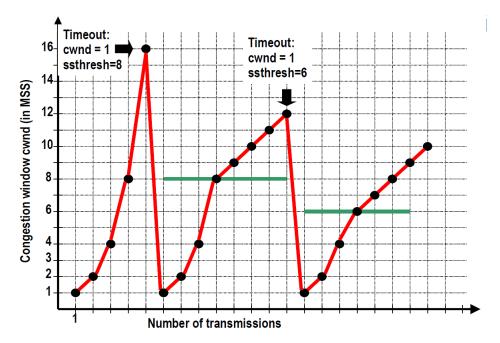


Figure 8.12: Example of window size update.

# Chapter 9

# HTTP protocol

HTTP protocol was presented for the first time in the RFC1945 [4].

The Hypertext Transfer Protocol (HTTP) is an application-level protocol with the simplicity and the speed needed for distributed, collaborative, hypermedia information systems. It is a generic, stateless, object-oriented protocol which can be used for many tasks, such as name servers and distributed object management systems, through extension of its request methods (commands).

It's not the first Hypertext protocol in history because before it there was Hypertalk, made by Apple.

A feature of HTTP is twoing the data representation, allowing systems to be built independently wirt

A feature of HTTP is typing the data representation, allowing systems to be built independently w.r.t data being transferred. HTTP has been in use by the World-Wide Web global information initiative since 1990.

# 9.1 Terminology

#### • connection

a transport layer virtual circuit established between two application programs for the purpose of communication.

#### • message

the basic unit of HTTP communication, consisting of a structured sequence of octets matching the syntax defined in Section 4 and transmitted via the connection.

#### • request

an HTTP request message.

#### • response

an HTTP response message.

#### • resource

a network data object or service which can be identified by a URI.

#### • entity

a particular representation or rendition of a data resource, or reply from a service resource, that may be enclosed within a request or response message. An entity consists of metainformation in the form of entity headers and content in the form of an entity body.

#### client

an application program that establishes connections for the purpose of sending requests.

#### • user agent

the client which initiates a request. These are often browsers, editors, spiders (web-traversing robots), or other end user tools.

#### • server

an application program that accepts connections in order to service requests by sending back responses.

#### • origin server

the server on which a given resource resides or is to be created.

#### proxy

an intermediary program which acts as both a server and a client for the purpose of making requests on behalf of other clients. Requests are serviced internally or by passing them, with possible translation, on to other servers. A proxy must interpret and, if necessary, rewrite a request message before forwarding it. Proxies are often used as client-side portals through network firewalls and as helper applications for handling requests via protocols not implemented by the user agent.

#### gateway

a server which acts as an intermediary for some other server. Unlike a proxy, a gateway receives requests as if it were the origin server for the requested resource; the requesting client may not be aware that it is communicating with a gateway.

Gateways are often used as server-side portals through network firewalls and as protocol translators for access to resources stored on non-HTTP systems.

#### • tunnel

a tunnel is an intermediary program which is acting as a blind relay between two connections. Once active, a tunnel is not considered a party to the HTTP communication, though the tunnel may have been initiated by an HTTP request. The tunnel ceases to exist when both ends of the relayed connections are closed.

Tunnels are used when a portal is necessary and the intermediary cannot, or should not, interpret the relayed communication.

#### • cache

a program's local store of response messages and the subsystem that controls its message storage, retrieval, and deletion. A cache stores cachable responses in order to reduce the response time and network bandwidth consumption on future, equivalent requests. Any client or server may include a cache, though a cache cannot be used by a server while it is acting as a tunnel.

Any given program may be capable of being both a client and a server; our use of these terms refers only to the role being performed by the program for a particular connection, rather than to the program's capabilities in general. Likewise, any server may act as an origin server, proxy, gateway, or tunnel, switching behavior based on the nature of each request.

# 9.2 Basic rules

The following rules are used throughout are used to describe the grammar used in the RFC 1945.

```
OCTET =
               <any 8-bit sequence of data>
    CHAR =
               <any US-ASCII character (octets 0 - 127)>
UPALPHA =
               <any US-ASCII uppercase letter "A".."Z">
LOALPHA =
               <any US-ASCII lowercase letter "a".."z">
   ALPHA = UPALPHA | LOALPHA
    DIGIT =
               <any US-ASCII digit "0".."9">
      CTL =
               <any US-ASCII control character (octets 0 - 31) and DEL (127)>
       CR =
               <US-ASCII CR, carriage return (13)>
        LF =
               <US-ASCII LF, linefeed (10)>
       SP =
               <US-ASCII SP, space (32)>
               <US-ASCII HT, horizontal-tab (9)>
       HT =
               <US-ASCII double-quote mark (34)>
```

9.3. MESSAGES 69

# 9.3 Messages

## 9.3.1 Different versions of HTTP protocol

## $\bullet$ HTTP/0.9 Messages

Simple-Request and Simple-Response don't allow the use of any header information and are limited to a single request method (GET).

Use of the Simple-Request format is discouraged because it prevents the server from identifying the media type of the returned entity.

```
\begin{tabular}{lll} HTTP-message &= Simple-Request &| Simple-Response \\ \hline \\ Simple-Request &= "GET" & SP & Request-URI & CRLF \\ \\ Simple-Response &= [ & Entity-Body & ] \\ \hline \end{tabular}
```

#### • HTTP/1.0 Messages

Full-Request and Full-Response use the generic message format of RFC 822 for transferring entities. Both messages may include optional header fields (also known as "headers") and an entity body. The entity body is separated from the headers by a null line (i.e., a line with nothing preceding the CRLF).

```
HTTP-message = Full-Request | Full-Response
```

```
Full-Request = Request-Line
    *(General-Header | Request-Header | Entity-Header)
    CRLF
    [Entity-Body]

Full-Response = Status-Line
    *(General-Header | Request-Header | Entity-Header)
    CRLF
    [Entity-Body]
```

#### 9.3.2 Headers

The order in which header fields are received is not significant. However, it is "good practice" to send General-Header fields first, followed by Request-Header or Response-Header fields prior to the Entity-Header fields. Multiple HTTP-header fields with the same field-name may be present in a message if and only if the entire field-value for that header field is defined as a comma-separated list.

```
HTTP-header = field-name ":" [ field-value ] CRLF
```

### 9.3.3 Request-Line

```
Request-Line = Method SP Request-URI SP HTTP-Version CRLF

Method = "GET" | "HEAD" | "POST" | extension-method extension-method = token
```

The list of methods acceptable by a specific resource can change dynamically; the client is notified through the return code of the response if a method is not allowed on a resource.

Servers should return the status code 501 (not implemented) if the method is unrecognized or not implemented.

## 9.3.4 Request-URI

The Request-URI is a Uniform Resource Identifier and identifies the resource upon which to apply the request.

The absoluteURI form is only allowed when the request is being made to a proxy. The proxy is requested to forward the request and return the response. If the request is GET or HEAD and a prior response is cached, the proxy may use the cached message if it passes any restrictions in the Expires header field.

Note that the proxy may forward the request on to another proxy or directly to the server specified by the absoluteURI. In order to avoid request loops, a proxy must be able to recognize all of its server names, including any aliases, local variations, and the numeric IP address.

The most common form of Request-URI is that used to identify a resource on an origin server or gateway. In this case, only the absolute path of the URI is transmitted.

## 9.3.5 Request Header

The request header fields allow the client to pass additional information about the request, and about the client itself, to the server.

These fields act as request modifiers, with semantics equivalent to the parameters on a programming language method (procedure) invocation.

$$\mathsf{Request-Header} = \mathsf{Authorization} \mid \mathsf{From} \mid \mathsf{If-Modified-Since} \mid \mathsf{Referer} \mid \mathsf{User-Agent}$$

#### 9.3.6 Status line

Status-Line = HTTP-Version SP Status-Code SP Reason-Phrase CRLF

#### General Status code

| 1xx: Informational | Not used, but reserved for future use      |
|--------------------|--|
| 2xx: Success       | The action was successfully received,      |
|                    | understood, and accepted.                  |
| 3xx: Redirection   | Further action must be taken in order to   |
|                    | complete the request                       |
| 4xx: Client Error  | The request contains bad syntax or cannot  |
|                    | be fulfilled                               |
| 5xx: Server Error  | The server failed to fulfill an apparently |
|                    | valid request                              |

## 9.4 HTTP 1.0

The protocol has no mandatory headers to be added in the request field. This protocol is compliant with HTTP 0.9. To keep the connection alive, "Connection" header with "keep-alive" as header field must be added to request message. The server, receiving the request, replies with a message with the same header value for "Connection".

This is used to prevent the closure of the connection, so if the client needs to send another request, he can use the same connection. This is usually used to send many files and not only one.

The connection is kept alive until either the client or the server decides that the connection is over and one of them drops the connection. If the client doesn't send new requests to the server, the second one usually drops the connection after a couple of minutes.

The client could read the response of request, with activated keep alive option, reading only header and looking to "Content-length" header field value to understand the length of the message body. This header is added only

9.4. HTTP 1.0 71

#### Known service code

| 200 | OK                    |
|-----|-----------------------|
| 201 | Created               |
| 202 | Accepted              |
| 204 | No Content            |
| 301 | Moved Permanently     |
| 302 | Moved Temporarily     |
| 304 | Not Modified          |
| 400 | Bad Request           |
| 401 | Unauthorized          |
| 403 | Forbidden             |
| 404 | Not Found             |
| 500 | Internal Server Error |
| 501 | Not Implemented       |
| 502 | Bad Gateway           |
| 503 | Service Unavailable   |

if a request with keep-alive option is done.

This must be done because we can't look only to empty system stream, because it could be that was send only the response of the first request or a part of the response.

Otherwise, when the option keep alive is not used, the client must fix a max number of characters to read from the specific response to his request, because he doesn't know how many character compose the message body. If you make many requests to server without keep-alive option, the server will reply requests, after the first, with only headers but empty body.

# 9.4.1 Other headers of HTTP/1.0 and HTTP/1.1

#### • Allow

lists the set of HTTP methods supported by the resource identified by the Request-URI

## • Accept

lists what the client can accept from server. It's important in object oriented typing concept because client application knows what types of data are allowed for its methods or methods of used library

#### • Accept-encoding

specifies what type of file encoding the client supports (don't confuse it with transfer encoding)

#### • Accept-language

specifies what language is set by Operating System or it's specified as a preference by client on browser

# • Content-Type

indicates the media type of the Entity-Body sent to the recipient. It is often used by server to specify which one of the media types, indicated by the client in the Accept request, it will use in the response.

#### • Date

specifies the date and time at which the message was originated

#### • From

if given, it should contain an Internet e-mail address for the human user who controls the requesting user agent (it was used in the past)

#### • Location

defines the exact location of the resource that was identified by the Request-URI (useful for 3xx responses)

#### • Pragma

It's sent by server to inform that there in no caching systems

#### • Referer

allows the client to specify, for the server's benefit, the address (URI) of the resource from which the Request-URI was obtained (page from which we clicked on the link). This allows a server to generate lists of back-links to resources for interest, logging, optimized caching, etc. It was added with the born of economy services related to web pages.

#### • Server

information about the software used by the origin server to handle the request (usually Apache on Unix, GWS(Google Web Server), Azure on Windows, ...)

#### • User-agent

Version of client browser and Operating System. It's used to:

- adapt responses to application library
- manage mobile vs desktop web pages

It's crucial for web applications. If we are the clients and we receive the response from server, we want that the content must change according to the version of browser.

Infact, there are two different web pages (two different view of the same web page) according to connection by pc and phone, because of different user-agent of these devices. If a mobile phone sends a request to a non-mobile web page, the user agent changes to user agent related to Desktop version.

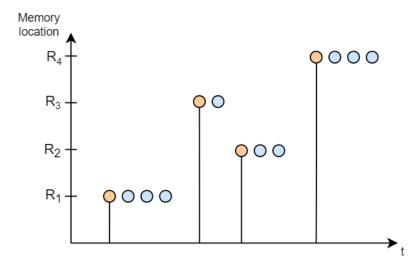
## 9.4.2 Caching

It's based on locality principle and was observed on programs execution.

#### • Time Locality

When a program accesses to an address, there will be an access to it again in the near future with high probability.

If I put this address in a faster memory (cache), the next access to the same location would be faster.



#### • Space Locality

If a program accesses to an address in the memory, it's very probable that neighboring addresses would be accessed next.

9.4. HTTP 1.0 73

The caching principle is applied also in Computer Networks, storing of the visited web pages on client system and then updating them through the use of particular headers and requests (see Figure ??). The purpose of using cache is to reduce traffic over the network and load of the server. The main problem of storing the page in a file, used as a cache, is that the page on the server can me modified and so client's copy can be obsolete.

The update of the content of the local cache for the client can happen in three different ways:

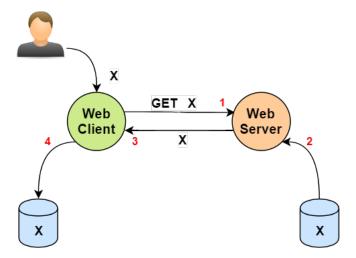
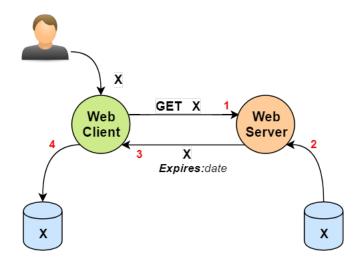


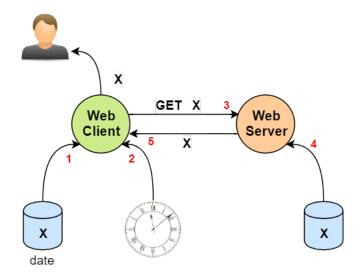
Figure 9.1: First insertion of the resource in the cache.

#### • Expiration date

- 1. The client asks the resource to the server, that replies with the resource and adding "Expires" header. This is done by the server to specify wan the resource will be considered obsolete.
- 2. The client stores a copy of the resource in its local cache.
- 3. The client, before sending a new request, checks if it has already the resource he's asking to server. If he has already the resource, he compares the Expiration date, specified by server at phase 1, with the real time clock. A problem of this method is that the server needs to know in advance when the page changes. So the "Expires" value, sent by server, must be:
  - exactly known in advance for periodic changes (E.g. daily paper)
  - statistically computed (evaluating the probability of refreshing and knowing a lower bound of duration of resource)

The other problem of this method is that we need to have server and client clocks synchronized. Hence, we need to have date correction and compensation between these systems.





9.4. HTTP 1.0 75

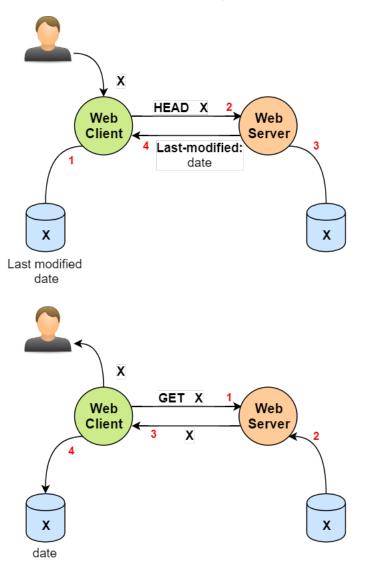
#### • Request of only header part

1. The client asks the resource to the server as before but now, he stores resource in the cache, within also its "Last-Modified" header value.

- 2. The client checks if its copy of the resource is obsolete by making a request to the server of only the header of the resource. This type of request is done by using the "HEAD" method.
- 3. The client looks to the value of the header "Last-Modified", received by the server. This value is compared with the last-modified header value stored within the resource.

  If the store date was older than new date, the client makes a new request for the resource to the server. Otherwise, he uses the resource in the cache.

The problem of this method is that, in the worst case, we send two times the request of the same resource (even if the first one, with "HEAD" method, is less heavy).

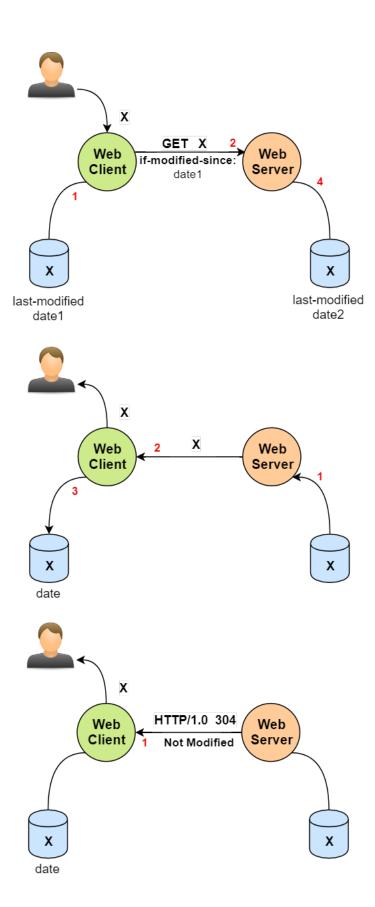


## • Request with if-modified-since header

- 1. The client asks the resource to the server as before, storing the resource in the cache within its "Last-Modified" header value.
- 2. When the client needs again the resource, it sends the request to the server, specifying also "If-Modified-Since" header value as store data.
- 3. If the server, looking to the resource, sees that its Last-Modified value is more recent than date specified in the request by client, it sends back to the recipient the newer resource. Otherwise, it sends to client the message "HTTP/1.0 304 Not Modified".

The positive aspect of this method is that the client can do only a request and obtain the corrept answer without other requests.

9.4. HTTP 1.0 77



## 9.4.3 Authorization

- 1. The client sends the request of the resource to the client
- 2. The server knows that the resource, to be accessible, needs the client authentication, so it sends the response specifying "WWW-Authenticate:" header, as the following:

WWW-Authenticate: Auth-Scheme Realm="XXXX"

Auth-Scheme Type of encryption adopted

 ${\bf Realm}$  "XXXX" refering to the set of users that can access to the resource

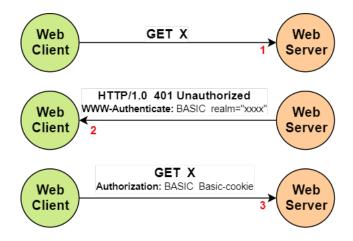
3. The client replies with another request of the same resource but specifying also the "Authorization" header value, as the following:

WWW-Authenticate: Auth-Scheme Basic-cookie

Auth-Scheme Type of encryption adopted

Basic-cookie Base64 encrypted message of the needed for the authentication

(in general basic-ccokie doesn't contain password inside it, it happens only in this case)



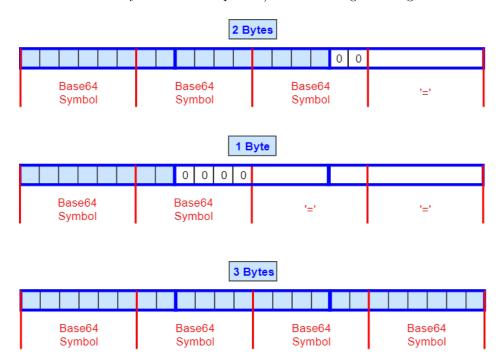
9.4. HTTP 1.0 79

#### 9.4.3.1 base64

It is very useful for a lot of protocol like HTTP, that doesn't support format different than text of characters. For example with SMTP, all the mail contents must be text, hence images or other binary files are encrypted with base64.

Starting from a stream of bytes, we are going to convert numbers, described by each byte, into ANSI character symbols. These selected symbols, from the Table ?? of all the 64 symbols, are generated looking the values of subsequences of 6 bits.

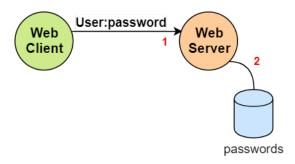
If the stream of bytes is not composed by a multiple of 24 bits, base64 pad whole missing bytes with symbol '=' (not defined as one of the 64 symbols of the alphabet) and other single missing bits with 0 values.



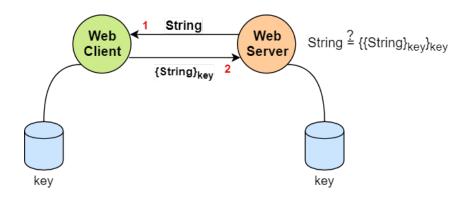
| 0  | A            | 16 | Q            |       | 32 | g            | 48 | w            |
|----|--------------|----|--------------|-------|----|--------------|----|--------------|
| 1  | В            | 17 | R            |       | 33 | h            | 49 | x            |
| 2  | $^{\rm C}$   | 18 | $\mathbf{S}$ |       | 34 | i            | 50 | у            |
| 3  | D            | 19 | $\mathbf{T}$ |       | 35 | j            | 51 | $\mathbf{z}$ |
| 4  | $\mathbf{E}$ | 20 | U            |       | 36 | k            | 52 | 0            |
| 5  | F            | 21 | V            |       | 37 | 1            | 53 | 1            |
| 6  | G            | 22 | W            |       | 38 | m            | 54 | 2            |
| 7  | H            | 23 | X            |       | 39 | n            | 55 | 3            |
| 8  | I            | 24 | Y            |       | 40 | О            | 56 | 4            |
| 9  | J            | 25 | $\mathbf{Z}$ |       | 41 | p            | 57 | 5            |
| 10 | K            | 26 | a            |       | 42 | $\mathbf{q}$ | 58 | 6            |
| 11 | L            | 27 | b            |       | 43 | $\mathbf{r}$ | 59 | 7            |
| 12 | M            | 28 | $\mathbf{c}$ |       | 44 | $\mathbf{s}$ | 60 | 8            |
| 13 | N            | 29 | d            |       | 45 | $\mathbf{t}$ | 61 | 9            |
| 14 | O            | 30 | e            |       | 46 | $\mathbf{u}$ | 62 | +            |
| 15 | P            | 31 | f            |       | 47 | $\mathbf{v}$ | 63 | /            |
|    |              |    |              | pad = |    |              |    |              |

#### 9.4.3.2 Auth-schemes

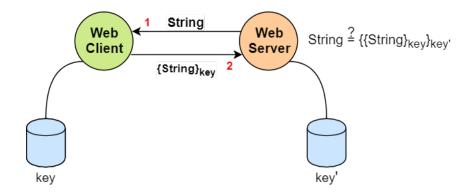
#### • BASIC



• Challenge (symmetric version)



• Challenge (asymmetric version)



# 9.5 HTTP 1.1

The architecture of the model is in RFC2616 [5]. It has by default the option keep alive actived by default with respect to HTTP 1.0. It has the mandatory header "Host" followed by the hostname of the remote system, to which the request or the response is sent. The headers used in HTTP/1.0 are used also in HTTP/1.1, but in this new protocol there are new headers not used in the previous one. The body is organized in chunks, so we

9.5. HTTP 1.1 81

need the connection kept alive to manage future new chunks.

This is useful with dynamic pages, in which the server doesn't know the length of the stream in advance and can update the content of the stream during the extablished connection, sending a fixed amount of bytes to client. We can check if the connection is chunked oriented, looking for the header "Transfer-Encoding" with value "chunked".

Each connection is composed by many chunks and each of them is composed by chunk length followed by chunk body, except for the last one that has length 0 (see Figure 9.2). The following grammar represents how the body is organized:

```
Chunked-Body
               = *chunk
                 last-chunk
                  trailer
                 CRLF
               = chunk-size [ chunk-extension ] CRLF
chunk
                 chunk-data CRLF
chunk-size
               = 1*HEX
last-chunk
               = 1*("0") [ chunk-extension ] CRLF
chunk-extension= *( ";" chunk-ext-name [ "=" chunk-ext-val ] )
chunk-ext-name = token
chunk-ext-val = token | quoted-string
chunk-data
               = chunk-size (OCTET)
trailer
               = *(entity-header CRLF)
```

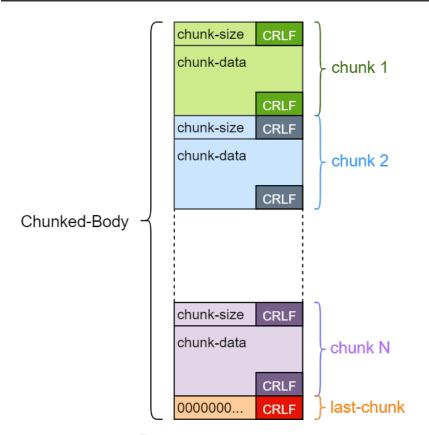


Figure 9.2: Chunked body.

# 9.5.1 Caching based on HASH

It's like the caching mechanism used looking to "Last-Modified" header value through the use of HEAD. The organization is as follows:

- 1. The client asks the resource to the server, he stores resource in the cache, within also its "Etag" header value.
- 2. The client checks if its copy of the resource is obsolete by making a request to the server of only the header of the resource. This type of request is done by using the "HEAD" method.
- 3. The client looks to the value of the header "Etag", received by the server. This value is compared with the "Etag" header value stored within the resource, because everytime that a file changes, its hash code is computed again.

If the store date has different hash code from one received, the client makes a new request for the resource to the server. Otherwise, he uses the resource in the cache.

#### 9.5.2 URI

In URI, there is the encapsulation of the operation done in the past, to have a resource from a server [11]. The following phases are related to **ftp** application:

- 1. Open the application ftp
- 2. Open the server File System, through a general login
- 3. Select the resource you want to use and download it

```
URI
                 = ( absoluteURI | relativeURI ) [ "#" fragment
                 = scheme ":" *( uchar |
absoluteURI
                                            reserved )
relativeURI
                 = net path | abs path | rel path
                = "//" net_loc [ abs_path ]
= "/" rel_path
= [ path ] [ ";" params ] [ "?" query ]
net_path
abs path
rel path
path
                 = fsegment *( "/" segment )
                 = 1*pchar
fsegment
segment
                 = *pchar
                 = param *( "; " param )
params
                 = *( pchar | "/" )
param
                 = 1*( ALPHA | DIGIT |
                                          "+"
scheme
                                ";" | "?"
net loc
                 = *( pchar |
query
                 = *(
                      uchar
                                reserved
fragment
                   *( uchar
                 = uchar | ":" | "@" |
pchar
                   unreserved |
uchar
                                  escape
                 = ALPHA | DIGIT | safe | extra | national
unreserved
                   "%" HEX HEX
escape
                                 "?"
                                               "O"
                                                      "&"
reserved
                 =
                 = "!"
                          "*"
                                 11 ' 11
                                        "("
extra
                                 11 11
                 = "$"
                          11_11
safe
                          SP | <">_ | "#" _ | _ "%" _ | _ "<" _ | _ ">"
                 = CTL
unsafe
national_____any_OCTET_excluding_ALPHA,_DIGIT
```

Hence Uniform Resource Identifiers are simply formatted strings which identify via name, location, or any other characteristic a network resource. The following example refers to Relative URI:

```
//net_loc/a/b/c?parameters
```

9.6. DYNAMIC PAGES 83

```
//net_loc Server location
/a/b/c Resource with the path
?parameters Set of parameters
```

#### 9.5.3 HTTP URL

It's a particular instance of absolute URI, with scheme "http".

```
http_URL = "http:" "//" host [ ":" port ] [ abs_path ]

host = <A legal Internet host domain name
or IP address (in dotted-decimal form),
as defined by Section 2.1 of RFC 1123>

port = *DIGIT
```

There are also other schemes that are not used for web [12], for example ftp to download resources.

# 9.6 Dynamic pages

Dynamic pages are created on fly by some web applications in the server. The client makes a request to the server function with some parameters (Figure 9.3).

This approach is based on **Common Gateway Interface (CGI-bin)**, whose name comes from first network applications that were binary. Then the evolution of web applications brings to two types of program:

- Script Server programs based on PHP, ASP.net
- Server application (based on Java) written through J2EE, TomCat and Websphere

The result of these programs are written at Presentation layer, like HTML source. To use the CGI-bin paradigm, the client needs to create a request for a file to be executed and not transferred. For convention, the server usually has its executable files in "/CGI-bin" path of the server. The following HTTP URL is the request to the server, made by the client, for the function f:

```
http://www.hello.com/CGI-bin/f?a=10&b=20&c=%22ciao%22
```

In this example the client is asking to server **www.hello.com**, using an HTTP URL, the result of the call of function **f**. The symbol ? defines from which point the parameters of the function are specified. In this case there are three parameters: **a** with value **10**, **b** with value **20** and **c** with value **%22ciao%22**. There are particular symbols, used in URL:

| ?  | Beginning of parameters section                                     |
|----|---|
| %  | Escape character  |
| /0 | followed by the hex number that defines the symbol you want to code |
| &  | Separator character   |
|    | character between each couple of specified parameters               |

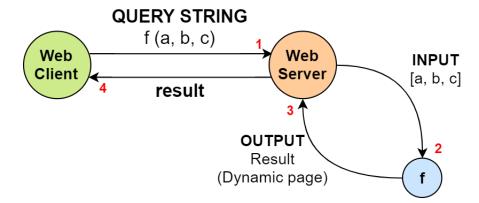


Figure 9.3: Example of CGI application.

# 9.7 Proxy

The implementation of the proxy depends on the type of protocol used:

#### • HTTP

If the client wants to use a proxy, doing a GET request, he needs to modify its behaviour with the following steps:

#### 1. Connection of Client to Web Proxy instead of the server

The client needs to change address and port w.r.t. proxy ones, instead of server ones.

#### 2. Specify the absolute URI of the requested resource

Otherwise proxy doesn't to which one the message needs to be sent. Hence he couldn't forward as it is the request.

The proxy can analyze the content of data they need to transmit, obtaining the absolute URI and doing another request.

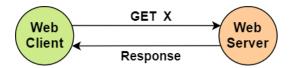


Figure 9.4: Direct access.

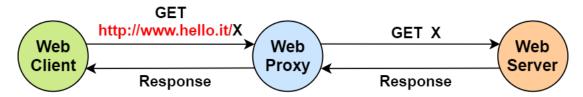


Figure 9.5: Proxy access.

#### • HTTPS

Data are sent over encrypted channel (TLS) and the proxy can be implemented in two different ways:

#### - Split the encrypted channel

The proxy has an encrypted channel with the client and one with the server. This approach can be applied only when we have a trusted proxy (E.g. WAF) because the proxy needs to access data to forward them.

9.7. PROXY 85

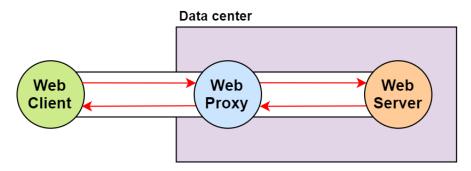


Figure 9.6: Proxy as WAF in HTTPS.

#### - Change default behaviour of proxy

The proxy in this case can only forward encrypted data without knowing anything about them. In this case, proxy works as a Layer-4 gateway and creates a tunnel between client and server [6]. In HTTPS the client uses the method CONNECT to tell to the proxy to work as a tunnel. The proxy, receiving the CONNECT request, extablish the secure connection between client and server (through the preliminary exchange of keys with Diffie-Hellmann).

The proxy sends HTTP response to the client if the **connect()** call succeded. Then the client can send encrypted data as *raw data* and the proxy will not access them but only forward them. With *CONNECT* request, the client asks to open a connection to web host.

The proxy needs to create two processes (Figure 9.9):

#### \* Parent process

It reads response from the server and forwards it to the client. When the connection will be closed from the server, it will kill its child process.

#### \* Child process

It reads request from the client and forwards it to the server.

In a browser, when you type an address or server name, the connection starts by default using HTTP. Then the remote server replies with a HTTP response with redirection to an HTTPS URL.

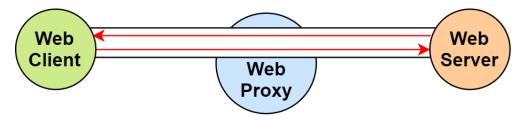


Figure 9.7: Tunneling using proxy in HTTPS.

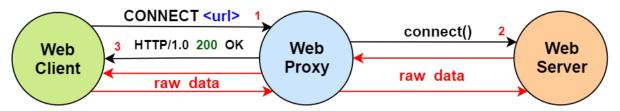


Figure 9.8: CONNECT request in HTTPS.

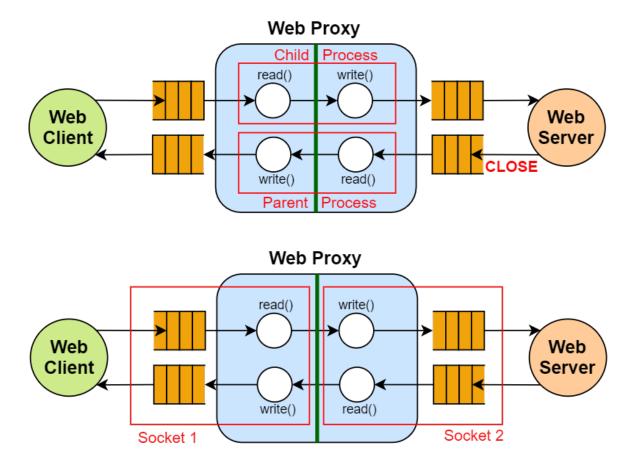


Figure 9.9: How proxy works with HTTPS.

# Chapter 10

# Resolution of names

The following section will talk about history of technologies under the resolution of server names in URL to their IP addresses, needed to extablish the connection.

# 10.1 Network Information Center (NIC)

This type of architecture was used in the past to resolve names. Each client has its own file **HOSTS.txt**, with resolution of names. The client shared its file with a central system, called **NIC** (Figure 10.1). This system collects all the files, like an hub, and shared resolution names to other clients (Figure 10.1). This architecture is unfeasable and not scalable with nowadays number of IP addresses, because the files become very huge and transfering becomes very slow.

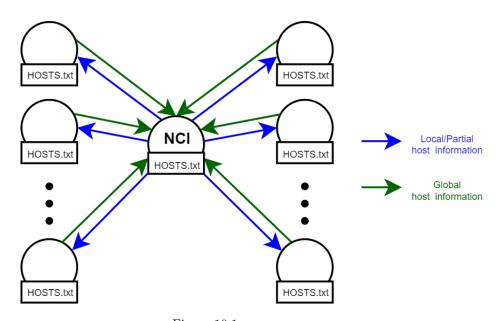


Figure 10.1: How NIC worked.

# 10.2 Domain Name System (DNS)

The file **HOSTS.txt**10.1 is yet used in nowadays UNIX systems. The specified host name is searched in local /etc/hosts.txt, that contains local and private addresses resolution table, and if not found, it will be searched through DNS [2].

#### 10.2.1 Goals

- 1. Names should not be required to contain network identifiers, addresses, routes, or similar information as part of the name.
- 2. The sheer size of the database and frequency of updates suggest that it must be maintained in a distributed manner, with local caching to improve performance.
  - Approaches that attempt to collect a consistent copy of the entire database will become more and more expensive and difficult, and hence should be avoided.
  - The same principle holds for the structure of the name space, and in particular mechanisms for creating and deleting names; these should also be distributed.
- 3. Where there are tradeoffs between the cost of acquiring data, the speed of updates, and the accuracy of caches, the source of the data should control the tradeoff.
- 4. The costs of implementing such a facility dictate that it be generally useful, and not restricted to a single application.
  - We should be able to use names to retrieve host addresses, mailbox data, and other as yet undetermined information. All data associated with a name is tagged with a type, and queries can be limited to a single type.
- 5. Because we want the name space to be useful in dissimilar networks and applications, we provide the ability to use the same name space with different protocol families or management.

  For example, host address formats differ between protocols, though all protocols have the notion of address. The DNS tags all data with a class as well as the type, so that we can allow parallel use of different formats for data of type address.
- 6. We want name server transactions to be independent of the communications system that carries them. Some systems may wish to use datagrams for queries and responses and only establish virtual circuits for transactions that need the reliability (e.g., database updates, long transactions); other systems will use virtual circuits exclusively.
- 7. The system should be useful across a wide spectrum of host capabilities.

  Both personal computers and large timeshared hosts should be able to use the system, though perhaps in different ways.

#### 10.2.2 Hierarchy structure

server.

Hierarchy permits to manage a lot of nambers of domain names and IP addresses, reducing the time spent to resolve them. Given for example the host name **www.dei.unipd.it**, we have a **Name Server (NS)** for each of the domain name inside it (Figure 10.2).

The tree hierarchy has a name server for each one of its internal nodes. The name server gives us only the name of the name server of the lower level to which we need to go.

To obtain the IP address of this name server, we need to ask, to name server of upper layer, a **glue record**. The glue record is an additional information that needs us to understand how to rich that name server. Hence the glue record is the IP address of NS of the lower level in hierarchy.

For each request to NS, we obtain also the expiration time information because a caching approach is adopted also in DNS but at level 4. There are 13 root name servers that are returned when asking resolution to root. In reality root name servers are more than 13 but the communication used in DNS is made through UDP and this type of connection supports only 13 simultaneously transfering. The local DNS server for the device, managed by my network provides, contains the 13 root servers and permit us to reach at least one DNS root

The 13 DNS root servers are added locally at its installation of local DNS and updated assuming that at least one root server of them can be reachable. There is no address record for the root.

In general structure of the queries to name servers, we ask only the domain resolution for a domain that composes name 10.3.

To use a caching system efficiently, we need to make a recursive query, sending the request of resolution of the whole name with all its domains (Figure ??. All the name servers, where the query passes throuh, store information about resolution. This system is never applied as it is.

In reality we use an hybrid version, that uses partially recursion ??. Local DNS usually has huge cache with main important names and also first and second level have caches. So local DNS rarely asks resolution to TOP Level Domain or Root.

Recursive query option in dig command is made by a flag default set yes and that is used in UDP packet as an additional information. The Root Name Server decides if it wants to accept recursive query or if not, how mmany domains can resolve.

I can group some domains, defining a zone, so I can use only a name server for the zone that solves more domains together 10.6. So the name servers are authorithative over zones and not only single domains. It depends if domains are grouped or not.

The creation of the zones are used to manage easily the responsability and the organization over the zones, partitioning them. Another reason for this partition in zones is because of some domains has few names and so it's better to group the domain with others.

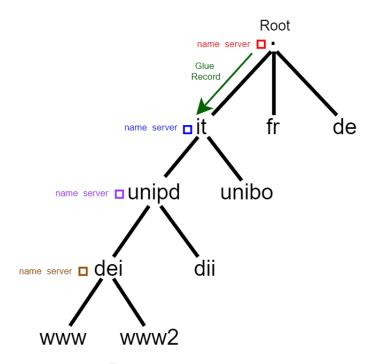


Figure 10.2: DNS structure.

```
//Ask for root name server to the default name server
dig -t NS -n
//Ask for address of root name server "a.root-servers.net", previously chosen
dig -t A -n a.root-servers.net
//Ask for "it" name server to the "a.root-servers.net" address, previously chosen
dig @198.41.0.4 -t NS it
//Ask for address of "nameserver.cnr.it" name server,
                                                         previously chosen for "it" domain
dig @198.41.0.4 -t A nameserver.cnr.it
//Ask for "unipd.it" name server to the "nameserver.cnr.it" address
dig = 0194.119.192.34 - t = NS - n = unipd.it
//Ask for "unipd.it" name server to the "nameserver.cnr.it" address
dig \ @194.119.192.34 \ -t \ A \ unipd.it
//Ask for "dei.unipd.it" name server to one ("mail.dei.unipd.it"
dig = 0147.162.1.100 - t NS dei.unipd.it
//Ask for address of "mail.dei.unipd.it" name server, previously chosen
dig @147.162.1.2 -t A mail.dei.unipd.it
```

//Ask for address of "www.dei.unipd.it" to "mail.dei.unpd.it" name server, previousy chosen dig @147.162.2.100 -t A www.dei.unipd.it

Listing 10.1: Example of default DNS queries using dig.

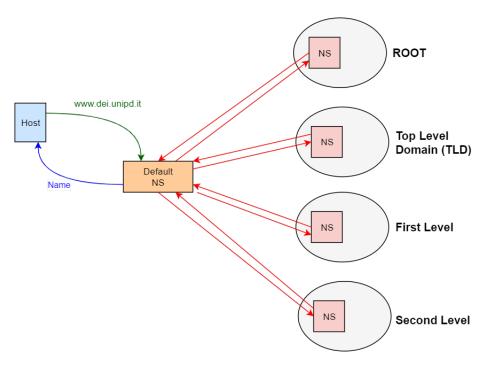


Figure 10.3: Default DNS behaviour without caching.

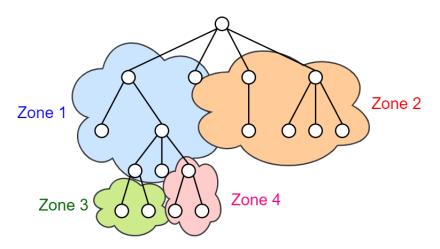


Figure 10.6: Example of partitioning into zones.

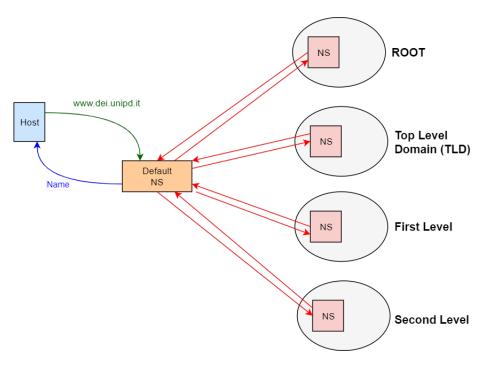


Figure 10.4: Completely recursive DNS structure.

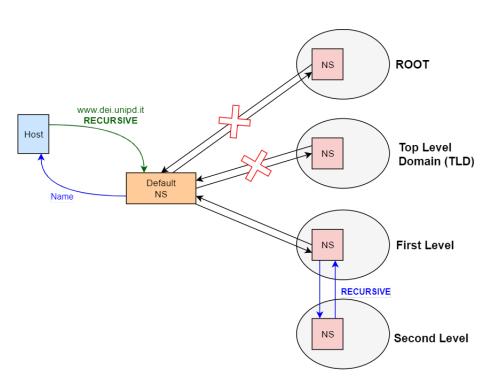


Figure 10.5: Hybrid DNS structure.

# Appendix A

# Shell

# A.1 Commands

| man man   |                            | Shows info about man command and   |  |
|-----------|----------------------------|--|--|
|           |                            | lists all the sections of the manual.                                    |  |
| strace ob | jFile                      | Lists all the system calls used in the program.                          |  |
| ltrace ob | jFile                      | Lists all the library calls used in the program.                         |  |
| gcc -o ob | jFile source $-\mathbf{v}$ | Lists all the path of libraries and headers used in creation of objFile. |  |
|           | -t                         | Lists all the active TCP connections showing domain names.               |  |
| netstat   | -u                         | Lists all the active UDP connections showing domain names.               |  |
|           | -n                         | Lists all the active, showing IP and port numbers.                       |  |
| nslookup  | o domain                   | Shows the IP address related to the domain (E.g. IP of www.google.it)    |  |
|           |                            | DNS lookup utility.  |  |
|           |                            | server name or IP address of the name server to query                    |  |
| dig @serv | ver name type              | name name of the resource record that is to be looked up                 |  |
|           |                            | type type of query is required (ANY, A, MX, SIG, etc.)                   |  |
|           |                            | if no type is specified, A is performed by default                       |  |
| wc [file] |                            | Prints in order newlines, words, and bytes (characters) counts for file  |  |
| we imei   |                            | if file not specified or equal to -, counts from stdin.                  |  |
| route -n  |                            | Show numerical addresses instead of trying to determine symbolic         |  |
|           |                            | hostnames in routing table.  |  |
|           |                            | List all the MAC addresses stored after some ARP                         |  |
| arp -a    |                            | requests and replies made by our ethernet interfaces.                    |  |
|           |                            |  |  |

# A.2 UNIX Files

| /etc/hosts   | Local resolution table.                          |
|--|--|
| /etc/services  | List all the applications with their port        |
| /etc/services  | and type of protocol (TCP/UDP).                  |
| /etc/protocols   | Internet protocols.                              |
| $/usr/include/x86\_64\text{-}linux\text{-}gnu/bits/socket.h$ | List all the protocol type possible for socket.  |
| $/usr/include/x86\_64\text{-}linux\text{-}gnu/sys/socket.h$  | Definition of struct sockaddr and specific ones. |

94 APPENDIX A. SHELL

# Appendix B

# vim

# B.1 .vimrc

In this section there will be shown the file .vimrc that can be put in the user home ( $\sim$  or \$HOME or -) or in the path /usr/share/vim/ to change main settings of the program.

```
syntax on
set number
filetype plugin indent on
set tabstop=4
set shiftwidth=4
set expandtab
set t_Co=256
```

Listing B.1: .vimrc

# **B.2** Shortcuts

#### Main

|     | Gets out of the current mode into the "command mode". |
|-----|---|
| Esc |   |
|     | All keys are bound of commands                        |
| ;   | "Insert mode"   |
| 1   | for inserting text.                                   |
|     | "Last-line mode"                                      |
| •   | where Vim expects you to enter a command.             |

## Navigation keys

| h   | moves the cursor one character to the left.                   |
|---|---|
| $\mathbf{j} \text{ or } \mathbf{Ctrl} + \mathbf{J}$ | moves the cursor down one line.                               |
| $k \text{ or } \mathbf{Ctrl} + \mathbf{P}$          | moves the cursor up one line.                                 |
| 1   | moves the cursor one character to the right.                  |
| 0   | moves the cursor to the beginning of the line.                |
| \$  | moves the cursor to the end of the line.                      |
| ^   | moves the cursor to the first non-empty character of the line |
| w   | move forward one word (next alphanumeric word)                |
| W   | move forward one word (delimited by a white space)            |
| 5w  | move forward five words                                       |
| b   | move backward one word (previous alphanumeric word)           |

96 APPENDIX B. VIM

| В          | move backward one word (delimited by a white space) |
|------------|---|
| <b>5</b> b | move backward five words                            |
| G          | move to the end of the file                         |
| gg         | move to the beginning of the file.                  |

#### Navigate around the document

| h  | moves the cursor one character to the left. |
|----|---|
| (  | jumps to the previous sentence              |
| )  | jumps to the next sentence                  |
| {  | jumps to the previous paragraph             |
| }  | jumps to the next paragraph                 |
| [[ | jumps to the previous section               |
| ]] | jumps to the next section                   |
| [] | jump to the end of the previous section     |
| ][ | jump to the end of the next section         |

## Insert text

| h | moves the cursor one character to the left. |
|---|---|
| a | Insert text after the cursor                |
| A | Insert text at the end of the line          |
| i | Insert text before the cursor               |
| О | Begin a new line below the cursor           |
| О | Begin a new line above the cursor           |

# Special inserts

| :r [filename] | Insert the file [filename] below the cursor              |
|---------------|--|
| :r ![command] | Execute [command] and insert its output below the cursor |

# Delete text

| x             | delete character at cursor           |  |
|---------------|--------------------------------------|--|
| $d\mathbf{w}$ | delete a word.                       |  |
| <b>d</b> 0    | delete to the beginning of a line.   |  |
| d\$           | delete to the end of a line.         |  |
| d)            | delete to the end of sentence.       |  |
| dgg           | delete to the beginning of the file. |  |
| dG            | delete to the end of the file.       |  |
| dd            | delete line                          |  |
| 3dd           | delete three lines                   |  |

#### Simple replace text

| r}text} | Replace the character under the cursor with {text} |
|---------|--|
| R       | Replace characters instead of inserting them       |

# Copy/Paste text

|        | = * /                                     |
|--------|---|
| уу     | copy current line into storage buffer     |
| ["x]yy | Copy the current lines into register x    |
| p      | paste storage buffer after current line   |
| P      | paste storage buffer before current line  |
| ["x]p  | paste from register x after current line  |
| ["x]P  | paste from register x before current line |

# B.2. SHORTCUTS 97

# ${\bf Undo/Redo\ operation}$

| u      | undo the last operation. |  |
|--------|--------------------------|--|
| Ctrl+r | -r redo the last undo.   |  |

# Search and Replace keys

| /search_text                    | search document for search_text going forward                 |  |
|---------------------------------|---|--|
| ?search_text                    | search document for search_text going backward                |  |
| n                               | move to the next instance of the result from the search       |  |
| N                               | move to the previous instance of the result                   |  |
| :%s/original/replacement        | Search for the first occurrence of the string "original"      |  |
| .708/ Original/ replacement     | and replace it with "replacement"                             |  |
| :%s/original/replacement/g      | Search and replace all occurrences of the string              |  |
| .708/ Original/ replacement/ g  | "original" with "replacement"                                 |  |
| :%s/original/replacement/gc     | Search for all occurrences of the string "original" but       |  |
| .708/ Original/ replacement/ gc | ask for confirmation before replacing them with "replacement" |  |

#### Bookmarks

| m {a-z A-Z}                                | Set bookmark {a-z A-Z} at the current cursor position |  |
|--|---|--|
| :marks                                     | List all bookmarks                                    |  |
| '{a-z A-Z} Jumps to the bookmark {a-z A-Z} |   |  |

#### Select text

| v   | Enter visual mode per character |
|-----|---------------------------------|
| V   | Enter visual mode per line      |
| Esc | Exit visual mode                |

# Modify selected text

|   | Switch case                        |
|---|------------------------------------|
| d | delete a word.                     |
| c | change                             |
| У | yank                               |
| > | shift right                        |
| < | shift left                         |
| ! | filter through an external command |

## Save and quit

| <b>:</b> q  | Quits Vim but fails when file has been changed   |
|-------------|--|
| :w          | Save the file                                    |
| :w new_name | Save the file with the new_name filename         |
| :wq         | Save the file and quit Vim.                      |
| :q!         | Quit Vim without saving the changes to the file. |
| ZZ          | Write file, if modified, and quit Vim            |
| ZQ          | Same as :q! Quits Vim without writing changes    |

98 APPENDIX B. VIM

# B.3 Multiple files

#### • Opening many files in the buffer

vim file1 file2

Launching this command, you can see only one file at the same time. To jump between the files you can use the following vim commands:

| n(ext) | jumps to the next file     |
|--------|----------------------------|
| prev   | jumps to the previous file |

## • Opening many files in several tabs

vim -p file1 file2 file3

All files will be opened in tabs instead of hidden buffers. The tab bar is displayed on the top of the editor. You can also open a new tab with file *filename* when you're already in Vim in the normal mode with command:

:tabe filename

To manage tabs you can use the following vim commands:

| :tabn[ext] (command-line command)     | Jumps to the next tab           |  |
|---------------------------------------|---------------------------------|--|
| gt (normal mode command)              | Jumps to the next tab           |  |
| :tabp[revious] (command-line command) | Jumps to the previous tab       |  |
| gT (normal mode command)              | Jumps to the previous tab       |  |
| ngT (normal mode command)             | Jumps to a specific tab index   |  |
| ngi (normar mode command)             | n= index of tab (starting by 1) |  |
| :tabc[lose] (command-line command)    | Closes the current tab          |  |

# $\bullet$ Open multiple files splitting the window

splits the window horizontally

vim —o file1 file2

You can also split the window horizontally, opening the file *filename*, when you're already in Vim in the normal mode with command:

:sp[lit] filename

splits the window vertically

vim —O file1 file2

B.3. MULTIPLE FILES 99

You can also split the window vertically, opening the file *filename*, when you're already in Vim in the normal mode with command:



Management of the windows can be done, staying in the normal mode of Vim, using the following commands:

| Ctrl+w < cursor-keys> | Jumps between windows   |  |
|-----------------------|---|--|
| Ctrl+w [hjkl]         |   |  |
| Ctrl+w Ctrl+[hjkl]    |   |  |
| Ctrl+w w              | - Jumps to the next window                                      |  |
| Ctrl+w Ctrl+w         |   |  |
| Ctrl+w W              | Jumps to the previous window                                    |  |
| Ctrl+w p              | Jumps to the last accessed window                               |  |
| Ctrl+w Ctrl+p         |   |  |
| Ctrl+w c              | Closes the current window                                       |  |
| :clo[se]              |   |  |
| Ctrl+w o              | Makes the current window the only one and closes all other ones |  |
| :on[ly]               |   |  |

100 APPENDIX B. VIM

# Appendix C

# Gnu Project Debugger (GDB)

To use gdb you need to do the following 2 steps:

1. Compile the program with **-g** option, as follow:



2. Call gdb on the program you want to debug, as follow:



- 3. Call run inside gdb, to run the program. You can add also command line arguments just writing them after run in the same line.
- 4. Call quit inside GDB to terminate the session

# C.1 GDB commands

# C.1.1 Breakpoints

| break name_function           | Set breakpoint on function called name_function  |
|-------------------------------|--|
| break example.c:name_function | Set breakpoint on function called name_function in file example.c                            |
| break XX                      | Set breakpoint at line numbered XX   |
| break example.c:XX            | Set breakpoint at line numbered XX in file example.c   |
| clear XX                      | Remove breakpoint at line numbered XX  |
| watch name_variable           | Program will stop whenever the variable name_variable changes                                |
| print name_variable           | Print the value of variable called name_variable   |
| p name_variable               |  |
| list                          | Show all the code in the file  |
| step                          | Step into a function call  |
| next or n                     | Step over a function call  |
| bt                            | Print backtrace of the entire stack  |
| up [count]                    | Select the previous (outer) stack frame or one of the frames preceding it (count frames up). |
| ENTER                         | Repeat the last command  |
| continue or c                 | Continue until the next breakpoint or watchpoint is reached                                  |

## C.1.2 Conditional breakpoints

Breakpoint with a condition statement. This is usefull, because you could insert condition also directly in the code but doing this you could add bugs that weren't before. A conditional breakpoint is made by adding if condition after the break statement in GDB, as follows:

```
break example.c:60 if (x > 255)
```

There are also conditional watchpoints made by typing sentences like the following:

```
watch x > 10
```

In this case the watchpoint will be set on x and the program stops when x reaches reaches the value 0x11. It can be usefull on multithreading.

## C.1.3 Examine memory

To examine the memory you need to call the command x in one of the following ways:

```
x/nfu addr
x addr
x
```

where n, f, and u are all optional parameters that specify how much memory to display and how to format it; addr is an expression giving the address where you want to start displaying memory. If you use defaults for nfu, you need not type the slash '/'. Several commands set convenient defaults for addr.

| n | The repeat count is a decimal integer; the default is 1.                   |
|---|--|
|   | It specifies how much memory (counting by units u) to display.             |
|   | If a negative number is specified, memory is examined backward from addr.  |
| f | The display format is one of the formats used by print                     |
|   | ('x', 'd', 'u', 'o', 't', 'a', 'c', 'f', 's') and in addition 'i'          |
|   | (for machine instructions). The default is 'x' (hexadecimal) initially.    |
|   | The default changes each time you use either <b>x</b> or print             |
| u | Unit size (default $= w$ except for $s$ format that is $b$ )               |
|   | $\mathbf{b} = \text{bytes } \mathbf{w} = \text{words (4B)}$                |
|   | $\mathbf{h} = \text{halfwords (2B) } \mathbf{g} = \text{giant words (8B)}$ |

# C.1.4 Automate tasks in gdb

You can insert all the commands that you want to launch on gdb in a file *init.gdb* and then pass it to the program thanks to the option -x, as follows:

```
gdb test -x init.gdb
```

# C.1.5 Debugging with fork() and exec()

| set follow-fork-mode child | Specify that GDB needs to follow the child process after the fork() call in the program. |
|----------------------------|--|
| set follow-exec-mode new   | Specify that GDB needs to follow the new program called by exec.                         |

C.1. GDB COMMANDS

# ${\bf C.1.6}\quad {\bf Debugging\ with\ multiple\ threads}$

| info threads             | Show the current threads in the program.                        |
|--------------------------|---|
| thread num               | Switch to the execution made by thread with number <i>num</i> . |
| thread apply all command | Command is applied on all the threads.                          |

# References

- [1] Arp. https://tools.ietf.org/html/rfc826.
- [2] Dns. https://tools.ietf.org/html/rfc1034.
- [3] Ethernet types. https://www.iana.org/assignments/ieee-802-numbers/ieee-802-numbers.xhtml.
- [4] Http/1.0. https://tools.ietf.org/html/rfc1945.
- [5] Http/1.1. https://tools.ietf.org/html/rfc2616.
- [6] Https. https://tools.ietf.org/html/rfc2817.
- [7] Icmp. https://tools.ietf.org/html/rfc792.
- [8] Internet protocol. https://tools.ietf.org/html/rfc791.
- [9] Tcp. https://tools.ietf.org/html/rfc793.
- [10] Udp. https://tools.ietf.org/html/rfc768.
- [11] Uri. https://tools.ietf.org/html/rfc3986.
- $[12] \ \ Uri \ schemes. \ \texttt{https://www.iana.org/assignments/uri-schemes/uri-schemes.xhtml}.$